

नये नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 14: लूका की विशेषताएँ

डॉ. टेड हिल्लेब्रांट द्वारा

ए. लूका की समीक्षा: यीशु सभी का उद्धारकर्ता [00:00-6:52]

A: कम्बाइन A; 00:00-6:52; यीशु सभी का उद्धारकर्ता

यह लूका की पुस्तक पर हमारी तीसरी बातचीत है और हमने लूका से शुरू किया था, जो एक इतिहासकार की तरह प्रत्यक्षदर्शियों से जाँच करता है, प्रेरित पौलुस के साथ यात्रा करता है और यीशु को कभी नहीं देखा है, लेकिन संभवतः उसकी माँ मरियम और अन्य प्रत्यक्षदर्शियों से बात करता है। हम लूका की पुस्तक की विभिन्न विशेषताओं पर काम कर रहे हैं। हमने मसीह की मानवता के बारे में बात की, हमने लूका के पवित्र आत्मा पर जोर देने के बारे में बात की। हमने लूका के दृष्टांतों और इन दृष्टांतों और चमत्कारों के बारे में लूका के पास मौजूद अद्वितीय विशिष्ट सामग्री के बारे में बात की। ये चमत्कार की कहानियाँ बताती हैं कि कैसे विधवा और इकलौती संतान वाली महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। लूका मानवीय स्थिति के प्रति बहुत संवेदनशील प्रतीत होता है और उन प्रकार की चीजों को खींचता है। अब, हम पिछली बार अच्छे सामरी के दृष्टांत के बारे में बात कर रहे थे और इस बार हम लूका के एक अन्य प्रमुख विषय पर जाना चाहते हैं और वह यह है कि यीशु सभी का उद्धारकर्ता है। तो हम इसे कैसे उठाएँ? खैर, आप अद्वितीय चीजों को देखें। इसलिए, उदाहरण के लिए, शिमोन, वह बूढ़ा आदमी जो इस्राएल के सांत्वना का इंतज़ार कर रहा था, यीशु को अपनी बाहों में उठाता है। "प्रभु, जैसा कि आपने वादा किया था, अब अपने सेवक को शांति से विदा करें क्योंकि मेरी आँखों ने आपका उद्धार देखा है।" बच्चे को उठाते हुए वह कहता है, "मेरी आँखों ने आपका उद्धार देखा है।" लूका की पुस्तक में यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में चित्रित किया गया है। मैथ्यू ने मसीह को राजा के रूप में, मार्क ने एक अद्भुत पीड़ित सेवक के रूप में चित्रित किया है। अब लूका में हम मसीह को उद्धारकर्ता, *सोटर के रूप में चित्रित करते हैं*। सोटेरियोलॉजी मोक्ष का अध्ययन है, यीशु उद्धारकर्ता हैं। राज्य में प्रवेश के संदर्भ में यह भी दिलचस्प है। लूका ने इस सामग्रियों को चुना और आपको याद होगा कि यीशु ने

दस कोढ़ियों को ठीक किया था और यह लूका 17 में है। यीशु ने दस कोढ़ियों को ठीक किया और फिर भी कौन अकेला है जो उसके पास वापस आता है? यह एक सामरी है जो उसे धन्यवाद देने के लिए वापस आता है दस कोढ़ियों में से जो वापस आता है वह एक सामरी है। इसलिए अध्याय 17 के बाद मैं एक कहानी देखना चाहता हूँ। अब जबकि मसीह सभी का उद्धारकर्ता है और अब उन "सभी" में से एक, जिन तक उद्धार पहुंच रहा है, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिससे आप भली-भांति परिचित हैं।

जक्कई की कहानी अमीर युवा शासक की कहानी से किस तरह मेल खाती है? मैं यहाँ जो करना चाहूँगा, वह वह है जिसे वे इंटरटेक्स्टुअलिटी कहते हैं। इंटरटेक्स्टुअलिटी का मतलब है कि आप एक पाठ की तुलना दूसरे से करते हैं और आप इन दोनों के बीच संबंध दिखाते हैं। दूसरे शब्दों में, जैसा कि ल्यूक लिख रहा है, वह शब्दों को रख रहा है, एक शब्द दूसरे शब्द के बगल में, आप किसी शब्द का अर्थ कैसे निर्धारित करते हैं? आप किसी शब्द का अर्थ उसके संदर्भ से निर्धारित करते हैं। संदर्भ क्या है? शब्द का संदर्भ उसके पहले आने वाले शब्द और उसके बाद आने वाले शब्द हैं। वाक्य में वे शब्द हैं जो वाक्य के विचार को पूरा करते हैं। वह शब्द वाक्य में कैसे फिट बैठता है। यह यहीं नहीं रुकता। वह वाक्य पैराग्राफ में कैसे फिट बैठता है? पैराग्राफ में वाक्य की क्या भूमिका है? क्या यह पैराग्राफ के परिचयात्मक भाग में है? क्या यह निष्कर्ष में है या पैराग्राफ के बीच में है? यह तर्क विकसित कर रहा है? उस पैराग्राफ में वह वाक्य क्या भूमिका निभाता है? और फिर आप सवाल पूछते हैं कि बड़ी कहानी में वह पैराग्राफ क्या भूमिका निभाता है? तो कहानी में पाँच या सात पैराग्राफ हो सकते हैं, तो उस पैराग्राफ की उस कहानी में क्या भूमिका है? मैं अक्सर लोगों से कहता हूँ, जब आप मेरी परीक्षाओं के लिए लिखने जा रहे हैं, तो आप एक निबंध लिखने जा रहे हैं, मूल रूप से निबंध लिखने के तीन चरण हैं। आप एक परिचय लिखते हैं जिसमें आप परिचय देते हैं। आप कहते हैं, "मैं इन तीन चीजों के बारे में बात करने जा रहा हूँ।" एक, दो, तीन और आप एक परिचय देते हैं। फिर आप वास्तव में विस्तार से बताते हैं। यहाँ बिंदु संख्या एक है और फिर आपके पास एक पैराग्राफ है और यह बिंदु संख्या एक पर विस्तार से बताता है। फिर आपके पास बिंदु संख्या दो है, आप उस पर विस्तार से बताते हैं। फिर बिंदु संख्या तीन पर आप विस्तार से बताते हैं और फिर अंत में आप क्या करते हैं? अंत शुरुआत की तरह है, आपके पास एक परिचयात्मक

कथन है, मैं इन तीन बिंदुओं को दिखाने जा रहा हूँ, और फिर निष्कर्ष यह है कि अब मैंने इन तीन बिंदुओं को दिखा दिया है और आप अपने बिंदुओं से निष्कर्ष निकालते हैं। आपको एक परिचय, एक मुख्य भाग और एक निष्कर्ष मिला है। रूप कुछ इस तरह का है।

तो यहाँ हम पूछ रहे हैं कि अमीर युवा शासक की कहानी और जक्कई की कहानी का क्या संबंध है? वे एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए ल्यूक ने अध्याय 17 और 18 में इन कहानियों को लगभग एक के बाद एक रखा है। हम यहाँ उन पर विस्तार से विचार करना चाहेंगे। तो चलिए अमीर युवा शासक की कहानी पर काम करते हैं। मैं कहानी को पूरा नहीं पढ़ूँगा लेकिन आपको याद होगा कि अमीर युवा शासक यीशु के पास आता है और कहता है, "मुझे अनंत जीवन के लिए क्या करना चाहिए।" यीशु कहते हैं, "जो कुछ तुम्हारे पास है उसे गरीबों को दे दो।" खैर, पहले यीशु कहते हैं "व्यवस्था का पालन करो, अपनी माँ और पिता का सम्मान करो, हत्या मत करो," दस आज्ञाओं जैसी बातें। वह आदमी कहता है कि मैंने अपनी युवावस्था से ही ये सभी काम किए हैं। मार्क, जो उसी कहानी को दर्ज करता है, कहता है कि यीशु ने उसे देखा और उसके लिए प्यार किया। यीशु ने कहा कि अगर तुम वाकई परिपूर्ण होना चाहते हो तो जो कुछ तुम्हारे पास है उसे गरीबों को दे दो। वह आदमी दुखी होकर चला जाता है क्योंकि उसके पास बहुत कुछ था। तो फिर, जो सवाल उठता है, वह यह है कि अमीर युवा शासक की कहानी के अंत में, कहानी समाप्त हो जाती है और मुझे लगता है कि यह इस बात के संदर्भ में महत्वपूर्ण है कि कहानी कैसे समाप्त होती है। मुझे यहाँ अमीर युवा शासक की कहानी पर आना चाहिए। "जब उसने यह सुना तो वह बहुत दुखी हुआ," अमीर युवा शासक, यह अध्याय 18 श्लोक 23 है। "क्योंकि वह बहुत धनवान व्यक्ति था। यीशु ने उसे देखा और कहा 'धनवानों के लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कितना कठिन है। एक अमीर आदमी के लिए परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने की तुलना में एक ऊँट के लिए सुई के छेद से गुजरना आसान है।'" सुई के छेद वाली बात, लोगों ने कहा है कि यह यरूशलेम में एक छोटे से द्वार से गुजरने वाले ऊँट की तरह है जिसे पूरी तरह से खोलना पड़ता है। यह मेरे लिए वास्तव में कभी इतना नहीं हुआ। मुझे लगता है कि सुई के छेद वाली बात एक सिलाई सुई के बारे में थी जो एक ऊँट को सुई के छेद में डाल रही थी। "जिन्होंने यह सुना, वे पूछते हैं, 'तो फिर कौन बचाया जा

सकता है?" यदि धनवान को बचाया नहीं जा सकता और धनवान व्यक्ति विमुख हो जाता है तो उनके लिए राज्य में जाना कठिन है और यह अध्याय 18 है।

बी. जक्कई का संदर्भ [6:52-9:56]

बी: संयुक्त बीएफ; 6:52-26:19; जक्कई

जब आप अध्याय 19 पर जाते हैं तो हमें एक अमीर आदमी की कहानी मिलती है जो यीशु के पास आता है। तो दृष्टान्त, वैसे यह एक दृष्टान्त नहीं है, यह वास्तव में एक ऐतिहासिक कहानी है, जिसमें अमीर युवा शासक है। मैं उसे आर.वाई.आर., अमीर युवा शासक कहने जा रहा हूँ। अमीर युवा शासक के बीच एक विरोधाभास है जो अमीर है लेकिन सफल नहीं होता है, लेकिन फिर हमारे पास एक और अमीर व्यक्ति है जो वास्तव में सफल होता है और यह जक्कई है। अब यह भी बहुत दिलचस्प है, इस कथा में, यह कहानी कैसे स्थापित होती है। दूसरे शब्दों में, प्रत्येक मामले में ल्यूक एक ऐसे चरित्र का परिचय देता है जो यीशु का विरोध करता है। एक बाधा है। जो व्यक्ति यीशु के पास आता है वह यीशु के पास आना चाहता है लेकिन रास्ते में एक बाधा है। इसलिए अमीर युवा शासक यीशु के पास आता है और वह उससे पूछता है कि वह राज्य में कैसे प्रवेश कर सकता है और उसके सामने एक बाधा है। बाधा उसका धन है और वह उस बाधा को पार नहीं कर सकता इसलिए वह दूर हो जाता है। तो एक अंधा भिखारी है। अब यह यरीहो में घटित हो रहा है। तो यीशु मृत सागर के ठीक उत्तर में घाटी में जेरिको में हैं जैसा कि हमने पहले देखा था। अंधा आदमी, अंधे आदमी के सामने क्या बाधा है। अंधा आदमी यीशु के पास जाने की कोशिश कर रहा है लेकिन वह यीशु के पास नहीं जा सकता क्योंकि वहाँ भीड़ है। इसलिए जब यीशु वहाँ से गुज़र रहे थे तो अंधा आदमी चिल्लाता है "यीशु मुझ पर दया करें"। भीड़ भिखारी, अंधे भिखारी से कहती है, "चुप रहो, चुप रहो और कहो। यीशु यहाँ से आ रहे हैं, ऐसे मत चिल्लाओ।" जितना अधिक वे उसे चुप रहने के लिए कहते हैं उतना ही वह और अधिक चिल्लाता है और अधिक से अधिक चिल्लाता है। तो अंधे भिखारी के साथ क्या होता है? उसके सामने एक बाधा है, भीड़ ही उसकी बाधा है। वह अंधा है और वह यीशु के पास नहीं जा सकता इसलिए वह क्या करता है? वह और अधिक चिल्लाता है और फिर यीशु अंधे भिखारी को ठीक कर देते हैं।

अब आपको जक्कई की कहानी मिल गई है। जक्कई के सामने भी एक बाधा है और जक्कई के लिए बाधा क्या है? "यीशु यरीहो में प्रवेश कर रहे थे और वहाँ से गुज़र रहे थे और वहाँ जक्कई नाम का एक आदमी था। वह एक मुख्य कर संग्रहकर्ता था और धनी था। वह एक कर संग्रहकर्ता था और धनी था।" अब याद करें, अमीर युवा शासक। अमीर युवा शासक की कहानी का निष्कर्ष, अमीर आदमी के लिए राज्य में प्रवेश करना उतना ही कठिन है जितना कि एक ऊँट के लिए सुई के छेद से गुजरना। यहाँ हमारे पास एक अमीर आदमी है। वह यीशु को देखना चाहता था, यह देखना चाहता था कि यीशु कौन थे, लेकिन एक छोटा आदमी होने के कारण, वह भीड़ के कारण नहीं देख सका। तो फिर, आपके पास भीड़ एक बाधा बन गई है। वह यीशु तक नहीं पहुँच सकता क्योंकि वह एक छोटा छोटा आदमी है और वहाँ से नहीं जा सकता। इसलिए उसकी ऊँचाई एक समस्या है। वैसे, क्या आप समझते हैं कि बच्चों को बताने के लिए जक्कई की कहानी इतनी बढ़िया क्यों है? बच्चे बड़े लोगों की दुनिया में रहते हैं और बच्चे छोटे होते हैं। जक्कई छोटा था और बच्चे उससे जुड़ सकते हैं। वह भीड़ के कारण यीशु को नहीं देख पाता क्योंकि वह छोटा सा व्यक्ति है। अगर आपको याद हो तो सालों पहले बिग नाम की एक फिल्म आई थी जिसमें एक बच्चा मूल रूप से एक बड़े शरीर में बदल गया था।

सी. जक्कई की कहानी [9:56-14:12]

वैसे भी, वह आगे भागा और एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया। तो उसने क्या किया? एक बच्चे की तरह, वह इस गूलर के पेड़ पर चढ़ गया और अगर आप जेरिको जाएँ तो वहाँ आज भी एक गूलर का पेड़ है। जाहिर है कि यह वही गूलर का पेड़ नहीं था, लेकिन वह यीशु को देखने के लिए गूलर के पेड़ पर गया क्योंकि वह उसी रास्ते से आ रहा था। "और जब यीशु उस जगह पर पहुँचा तो उसने ऊपर देखा और उससे कहा, 'जक्कई, तुरंत नीचे आ जा। मुझे आज तेरे घर पर रहना है।' जक्कई नीचे आ गया क्योंकि मैं आज तेरे घर पर रह रहा हूँ। इसलिए वह तुरंत नीचे आया और उसने उसका स्वागत खुशी से किया। सभी लोगों ने यह देखा और बड़बड़ाने लगे।" भीड़ की प्रतिक्रिया पर ध्यान दें, वे बुदबुदाते हैं "वह एक पापी के यहाँ मेहमान बनने गया है? लेकिन जक्कई ने खड़े होकर कहा 'प्रभु! देखिए, प्रभु, मैं अभी अपनी आधी संपत्ति गरीबों को देता हूँ। अगर मैंने

किसी से कुछ भी ठगा है तो मैं उसे चौगुना लौटा दूँगा।' यीशु ने उससे कहा 'आज उद्धार,' लूका इस बात पर ज़ोर क्यों दे रहा है? उद्धार। यीशु सभी का उद्धारकर्ता है। "आज उद्धार इस घर में आया है क्योंकि यह व्यक्ति भी अब्राहम का पुत्र है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुए को ढूँढ़ने और बचाने आया है।" उड़ाऊ पुत्र, खोए हुए पुत्र को याद करें? हम खोए हुए सिक्के के बारे में भी बात करते हैं। एक महिला खोए हुए सिक्के के लिए घर की तलाश कर रही है। यहाँ आप यीशु को खोई हुई चीज़ ढूँढ़ते और बचाते हुए देख सकते हैं।

तो जक्कई के लिए एक बाधा है, उसका छोटा कद और भीड़। अमीर युवा शासक के लिए एक बाधा है, उसका धन। जक्कई और अमीर युवा शासक, दोनों ही अमीर हैं। वास्तव में, अमीर युवा शासक की कहानी में निष्कर्ष यह है कि एक अमीर व्यक्ति के लिए स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है, ऊँट के साथ सुई के छेद से गुजरने से भी कठिन। अमीर युवा शासक आज्ञाओं का पालन करता है और इसलिए यीशु ने कहा, "क्या तुमने आज्ञाओं का पालन किया है?" अमीर युवा शासक कहता है, "मैंने अपनी युवावस्था से ही आज्ञाओं का पालन किया है।" तो यह आदमी वास्तव में एक नैतिक रूप से ईमानदार व्यक्ति है। उसने आज्ञाओं का पालन किया है। दूसरी ओर, जक्कई एक अमीर कर संग्रहकर्ता है। जक्कई को अपना पैसा कैसे मिलता है? वह अमीर है क्योंकि वह एक कर संग्रहकर्ता है। वे दोनों अमीर हैं लेकिन जक्कई लोगों को लूटकर इसे प्राप्त करता है। उस संस्कृति में कर संग्रहकर्ताओं को इतना बुरा क्यों माना जाता था? आज के IRS की तरह बड़े पैमाने पर कर संग्रहकर्ता, रोमन आए और फिलिस्तीन से कर चूस रहे थे। उनके पास ये कर संग्रहकर्ता लोग होते थे और वे रोमनों के लिए कर एकत्र करते थे। वे न केवल रोमनों को देय कर एकत्र करते थे, बल्कि वे चीजों को कम करते थे और अपने लिए कुछ पैसे भी लेते थे। दूसरे शब्दों में, यदि वे कर एकत्र कर रहे थे तो वे कर संग्रह के भुगतान के रूप में उसमें 10%, 20% जोड़ते थे। इसलिए वे अपने ही लोगों की पीठ पर सवार होकर अमीर बन गए। इसलिए इन लोगों को देशद्रोही माना जाता था। वे रोम का समर्थन कर रहे थे। वे रोम के लिए गोफर थे और वे देशद्रोही थे। उन्हें बेचारे के रूप में देखा जाता था। वे रोम के लिए बिक चुके थे। वे अपने ही लोगों की पीठ पर सवार होकर अपने निजी लाभ के लिए रोम के पक्ष में अपने ही लोगों को बेच रहे थे। इसलिए, कर संग्रहकर्ता बिल्कुल घृणित लोग थे और यहूदी लोगों द्वारा तिरस्कृत किए जाते थे जो रोमन जुए को उतारना चाहते थे।

क्या आपको याद है कि मैथ्यू हमारा मैथ्यू/लेवी भी एक कर संग्रहकर्ता था। वे मत्ती के घर आए और वहाँ भी लोगों की यही प्रतिक्रिया थी। यीशु कर वसूलने वालों और पापियों के साथ कैसे खा सकता है? तो जक्कई ने आज्ञाओं का उल्लंघन किया।

D. जक्कई की कहानी में उद्धार [14:12-17:47]

अब अमीर युवा शासक को सलाह दी जाती है कि वह अपना सब कुछ बेचकर गरीबों को दे दे। यीशु उससे कहते हैं कि तुम्हें अपना सब कुछ बेचकर गरीबों को दे देना चाहिए। यहाँ सबसे दिलचस्प बात यह है कि एक बड़ा बदलाव होता है। क्या यीशु ने कभी जक्कई से कहा, "जक्कई, तुम एक अमीर आदमी हो, तुम्हें अपनी सारी दौलत गरीबों को दे देनी चाहिए"? यीशु ने जक्कई से कभी कुछ नहीं कहा। जब आप यहाँ कहानी पढ़ते हैं तो इसमें लिखा होता है कि मैं तुम्हें यहाँ बदलाव दिखाता हूँ। यीशु कहते हैं, "पेड़ से उतर आओ, मैं आज तुम्हारे घर जा रहा हूँ" और फिर सभी लोग बुदबुदाते हैं और जक्कई की प्रतिक्रिया क्या होती है? कहानी में यीशु कुछ नहीं कहते लेकिन जक्कई खड़ा हो जाता है और प्रभु से कहता है। जक्कई स्वेच्छा से, यह वह है जो वह स्वेच्छा से करता है। यीशु उसे पहचानते हैं, और यह ठीक है, वह बस अपने घर जा रहा है। "देखो, प्रभु, मैं अभी अपनी आधी संपत्ति गरीबों को देता हूँ" जक्कई स्वेच्छा से। यीशु ने अमीर युवा शासक को आदेश दिया और कहा कि उसे अपना पैसा गरीबों को देना है लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि उसे इससे बहुत लगाव है। दूसरी ओर, जक्कई ने स्वेच्छा से ऐसा किया। तो आप जो देखते हैं वह जक्कई के जीवन में परमेश्वर का कार्य है। यीशु को उसे बताने की ज़रूरत नहीं है, वह बस इसे स्वचालित रूप से करता है, वह जानता है कि क्या करना सही है। "अगर मैंने किसी से कुछ भी धोखा किया है, तो मैं उसे चार गुना राशि वापस करूँगा।" यीशु ने कहा "आज इस घर में उद्धार आया है।" सुंदर कथन: "आज उद्धार आया है।" उद्धार कैसे आया है? जक्कई ने अपनी आधी संपत्ति गरीबों को दे दी। फिर से यह एक बहुत ही दिलचस्प तरीका है कि कैसे जक्कई को उद्धार मिलता है।

यहाँ निष्कर्ष यह है कि अमीर युवा शासक की कहानी में, क्या अमीर लोगों को बचाया जा सकता है? यही सवाल था। यीशु कहते हैं, यह वास्तव में कठिन है, यह एक ऊँट के सुई के छेद से

गुजरने जैसा है। यह लगभग असंभव है। और, फिर भी जक्कई, जवाब है: "आज उद्धार तुम्हारे घर में आया है जक्कई, और तुम अब्राहम की संतान हो।"

अब कहानी में क्या दिलचस्प है, याद कीजिए कि हम बता रहे थे कि आप एक कहानी कैसे लिखते हैं, कि शुरुआत और अंत बहुत समान हैं? यह बहुत दिलचस्प है कि यीशु उस स्थान पर रुक जाते हैं और जक्कई एक पेड़ पर चढ़े हुए हैं और वे उससे कहते हैं "जक्कई तुरंत नीचे उतर आओ, मुझे आज तुम्हारे घर पर रहना है।" इस तरह कहानी शुरू होती है। "मैं आज तुम्हारे घर आ रहा हूँ जक्कई मैं तुम्हारे घर पर रहने वाला हूँ।" कहानी का अंत कैसे होता है? "आज इस घर में उद्धार आया है।" क्या आपको संबंध समझ में आया? कहानी की शुरुआत यीशु के उसके घर आने से होती है और फिर यीशु घोषणा करते हैं "आज इस घर में उद्धार आया है।" इस कहानी को लिखने में ल्यूक क्या कर रहा है? मुझे लगता है कि वह यीशु को उद्धार के साथ जोड़ रहा है। मैं तुम्हारे घर आ रहा हूँ: उद्धार तुम्हारे घर आ रहा है। वास्तव में उनके पास एक साहित्यिक चीज है जिसे वे इंकलूसियो कहते हैं कहानी सीमित है, एक तरह से किताबों के अंत की तरह, यह यीशु के आने से सीमित है, इस आदमी के घर में उद्धार आता है। यह यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में जोड़ता है और यीशु सभी लोगों का उद्धारकर्ता है, जिसमें जक्कई भी शामिल है।

ई. जक्कई के निहितार्थ [17:47-23:37]

यह मेरे अतीत से इस मामले में एक दिलचस्प कहानी को जन्म देता है। क्या जक्कई ने कहा, "हे, मैं प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ और तुम बच जाओगे?" क्या कहीं ऐसा लिखा है कि जक्कई यीशु में विश्वास करता था? नहीं। आप जो देख रहे हैं वह जक्कई के कार्य हैं। वह अपनी आधी संपत्ति गरीबों को देता है। वह किसी को भी उससे चार गुना अधिक धन वापस करता है, जितना उसने लूटा है। एक बार मैंने इंडियाना में एक अधिकतम सुरक्षा जेल में लगभग एक दशक तक पढ़ाया। मैं दिन में एक कॉलेज में पढ़ाता था और फिर हम मिशिगन सिटी में अधिकतम सुरक्षा जेल तक लगभग डेढ़ घंटे की सवारी करते थे। उस कक्षा में एक आदमी था जिसे हम प्रोबो कहते थे। उसका नाम जॉन शुल्ज़ था लेकिन हम उसे प्रोबो कहते थे और प्रोबो वास्तव में मेरे द्वारा पढ़ाए गए सबसे बुद्धिमान लोगों में से एक था, लेकिन वह एक बूढ़ा आदमी था। वह वियतनाम से बाहर

आया था, वह वियतनाम का एक अनुभवी सैनिक था और उसे जेल में डाल दिया गया था क्योंकि उसने कुछ लोगों को मार डाला था, यह बुरा था। प्रोबो कक्षा में बैठा रहता था और वह कभी नोट नहीं करता था और जब वह मेरी परीक्षा लेता था तो उसे मेरे टेस्ट में सैकड़ों अंक मिलते थे। उसकी याददाश्त फोटोग्राफिक थी और वह जो कुछ भी आप कहते थे उसे याद रख सकता था। मुझे लगता है कि उसे यह मिलिट्री में मिला था जहाँ वे कमांड देते थे और वह मिलिट्री में विशेष सेवाओं में था। वह बस याद रख सकता था कि आपने क्या कहा और वह वास्तव में एक होशियार लड़का था। खैर जो हुआ वह यह था कि मैंने लगभग 20 वर्षों तक ग्रेस कॉलेज में पढ़ाया और फिर मैं बोस्टन क्षेत्र में गॉर्डन कॉलेज में आ गया और प्रोबो जेल से बाहर आ रहा था और वह उस समय लगभग 55 वर्ष का था और वह जेल से बाहर आ रहा था और वह वास्तव में जेल से बाहर आ गया और उसने वास्तव में मुझसे कहा, "टेड, जब मैं जेल से बाहर आऊंगा," वह एक बड़ा हाल्ले वाला आदमी है, और वह एक हाल्ले लेने वाला था और उसने कहा कि वह कॉलेज परिसर में आकर मुझे बुलाएगा। इंडियाना में वे हाल्ले से मफलर हटा देते हैं ताकि वे बहुत शोर करें और बहुत बड़ी आवाज़ें आप एक मील दूर से सुन सकें। इसलिए मैं हमेशा गॉर्डन कॉलेज में अपने कार्यालय में यह कहता रहता हूँ कि इन दिनों में से एक दिन, और मैंने प्रोबो के लिए प्रार्थना की कि वह कुछ सालों के लिए जेल से बाहर आ जाए और उसने एक ईसाई लड़की से शादी कर ली। मुझे हमेशा यह बहुत अजीब लगता था क्योंकि प्रोबो वास्तव में ईसाई नहीं था, वास्तव में, वह मुझे कक्षा में चुनौती देता था और जब भी उसे बाइबल में कोई गलती मिलती थी, तो वह मुझ पर हावी हो जाता था और उसे बहुत सारी बातें कहता था। हम आगे-पीछे होते रहते थे और हमारे बीच बहस होती थी। मुझे वह लड़का बहुत पसंद था, वह वास्तव में एक होशियार लड़का था, लेकिन वह प्रोबो था, वह हमेशा कुछ खोजता रहता था और मेरे पास कुछ लेकर आता था। खैर, वह जेल से बाहर आ गया, मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था और मैं यहाँ बोस्टन में था और यह इंडियाना में वापस आया और पता चला कि उसकी मृत्यु के लगभग एक साल बाद मुझे पता चला कि वह लगभग डेढ़ साल से मर चुका था। वह अपनी मोटरसाइकिल चला रहा था और उसका कोट पिछले टायर में फँस गया था और वह अपनी मोटरसाइकिल से सिर के बल रेलिंग में जा गिरा और तुरंत मर गया।

मैं नवंबर में एक सम्मेलन में था और मुझे अटलांटा, जॉर्जिया में एक पेपर पढ़ना था। मैं वहाँ रॉन क्लटर नाम के एक व्यक्ति के साथ था। रॉन और मैं दोपहर के भोजन के लिए गए और वह इंडियाना से मेरा पूर्व सहकर्मी था। जब हम जा रहे थे, हम बातें करते रहे और बातें करते रहे, पुरानी यादें ताज़ा करते रहे। दो बूढ़े आदमी बात कर रहे थे और जब मैं जाने के लिए उठा तो उसने कहा "क्या तुम्हें जॉन शुल्टज़ याद है? क्या तुम्हें पुराना प्रोबो याद है?" और मैंने कहा "हाँ, मुझे प्रोबो याद है। मैं यहाँ बोस्टन में बहुत गुस्से में था और किसी ने मुझे नहीं बताया कि वह मर चुका है। मैं उस आदमी के लिए एक साल से अधिक समय से प्रार्थना कर रहा था और वह पहले ही मर चुका था और किसी ने मुझे नहीं बताया कि वह मर चुका है।" इसलिए मुझे लगा कि किसी ने मुझे नहीं बताया इसलिए मैंने रॉन को यह बताया। रॉन ने कहा, "ठीक है, मैं तुम्हें प्रोबो के साथ जो कुछ हुआ उसके बारे में बताता हूँ।" वह जेल से बाहर आया और उसने एक ईसाई महिला से शादी कर ली। याद करो मैंने तुमसे कहा था कि यह समझ में नहीं आता क्योंकि वह ईसाई नहीं था। वह कई मायनों में वास्तव में ईसाई विरोधी था। प्रोबो ने कभी किसी को नहीं बताया कि वह ईसाई बन गया है, लेकिन वास्तव में, उसने प्रभु को स्वीकार कर लिया। प्रोबो ने कहा, "मैं लोगों को यह बताना नहीं चाहता, मैं चाहता हूँ कि लोग देखें कि मेरा जीवन, कि ईश्वर ने मेरा जीवन बदल दिया है।" तो मूल रूप से प्रोबो उन लोगों में से नहीं था जो हमेशा हर दूसरे शब्द में "यीशु" कहते हैं, जो यह घोषणा करते हैं कि मैं अब एक धार्मिक व्यक्ति हूँ। उसकी आवाज़ धार्मिक नहीं थी, प्रोबो के साथ इसने उसका जीवन बदल दिया। उसने कहा, "अगर यह मेरा जीवन बदलता है, तो मेरा जीवन मेरे शब्दों से ज़्यादा ज़ोर से बोलेगा। और इसलिए मैं एक ईसाई हूँ और मेरा जीवन बदल गया है और वे इसे देख पाएँगे।" मैं वास्तव में इसका सम्मान करता हूँ। यही आपको जक्कई के साथ मिलता है। जक्कई का जीवन बदल गया है। उसे यीशु को यह और यीशु को वह कहते हुए घूमने की ज़रूरत नहीं है। नहीं, उसका जीवन बदल गया। लोगों को कैसे पता चला कि उसका जीवन बदल गया है? लोगों को पता था कि उसका जीवन बदल गया है क्योंकि वह व्यक्ति अपने पास जो कुछ भी है उसका आधा हिस्सा गरीबों को देता है। वह एक अमीर व्यक्ति है। वह उन सभी को पैसे देता है जिनसे वह चार बार ठगा गया है और जब उन्हें वह पैसा वापस मिलता है तो वे कहते हैं "अरे, बूढ़े जक्कई को क्या हुआ?" यीशु कहते हैं, आज तुम्हारे घर में उद्धार आया है। तो यह जक्कई की

कहानी है और मुझे लगता है कि ल्यूक जो कर रहा है वह इन दो कहानियों को निभाना है: अमीर युवा शासक और जक्कई की कहानी। वे एक दूसरे को निभाते हैं। वे दोनों धनी हैं। एक, जक्कई, उसके घराने को उद्धार मिलता है। दूसरा अपने धन से मोह करता है और वह दूर हो जाता है। यह एक तरह का अंतरपाठीय वाचन है और जिस पर मैं यहां काम कर रहा हूं वह सिर्फ आपको यह सोचने के लिए प्रेरित करना है कि कोई बाइबल की व्याख्या कैसे करता है? आपका हेर्मेनेयुटिक्स क्या है

एफ. इंटरटेक्स्टुअलिटी और जक्कई द्वारा मोक्ष की खोज [23:37-26:19]

मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप इन कहानियों को अंतःपाठीय रूप से पढ़ सकते हैं। जैसे आप अमीर युवा शासक की कहानी पढ़ते हैं और आप कहते हैं, "वाह, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो जक्कई की कहानी से तुलना करती हैं। कहानियाँ एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं, इसलिए जक्कई की कहानी को ठीक से समझने के लिए मुझे लगता है कि आपको अमीर युवा शासक की कहानी को समझने की ज़रूरत है।" अमीर युवा शासक की कहानी इस निष्कर्ष पर समाप्त होती है कि अमीरों को कैसे बचाया जा सकता है? इसका समाधान जक्कई है, जहाँ वह एक अमीर व्यक्ति है लेकिन वह वह करता है जो अमीर युवा शासक नहीं कर पाया, भले ही अमीर युवा शासक कई मायनों में जक्कई से ज़्यादा नैतिक था। तो इस तरह की कहानियाँ जक्कई के साथ खेलती हैं। यह इनक्लूसियो, यह वह शब्द है जो मैंने आपको पहले बताया था, इनक्लूसियो - शुरुआत और अंत। "मैं तुम्हारे घर आ रहा हूँ;" उद्धार तुम्हारे घर आ रहा है जो कौन किसको खोज रहा है, उससे जुड़ता है। क्या जक्कई यीशु को खोज रहा है या यीशु जक्कई को खोज रहा है? तो आपको इस तरह का उलटफेर देखने को मिलता है जो वहाँ होता है। तो जक्कई उद्धार की तलाश कर रहा है।

यह सिर्फ एक आरेख है, इसे कैसे आरेखित किया जाए। यहाँ जक्कई है, यहाँ यीशु है, यहाँ भीड़ है। फिर भीड़ एक बाधा बनने जा रही है, इसलिए आपको कुछ इस तरह मिलता है: जक्कई यीशु को खोज रहा है, लेकिन भीड़ उसके रास्ते में है और इसलिए उसे भीड़ की इस बाधा को पार करना है। भीड़ बढ़बढ़ाती है और जक्कई को अस्वीकार करती है। इसलिए उसे अपने रास्ते में भीड़ की बाधा को पार करना है, वह एक छोटा आदमी है। वे जक्कई को अस्वीकार करते हैं और

उसके खिलाफ बड़बड़ाते हैं, इसलिए उसे सिर्फ़ आकार की बात नहीं है, बल्कि भीड़ में लोगों की अस्वीकृति और उस अस्वीकृति को महसूस करना भी है। वैसे, भीड़ यीशु से जुड़ी हुई नहीं लगती। यह जक्कई है जो यीशु से जुड़ता है, भीड़ नहीं। इसलिए भीड़ यीशु से अलग हो जाती है और फिर आपको जो मिलता है वह यह है कि जक्कई पश्चाताप करता है, चुकाता है, और भीड़ और गरीब लोगों को देता है। वह लोगों को उसके किए का बदला देता है। तो जक्कई पश्चाताप करता है और आपको यीशु मिलते हैं। दूसरे शब्दों में, आपके पास जक्कई यीशु और मोक्ष की तलाश कर रहा है, और यीशु जक्कई की तलाश कर रहा है। तो मुझे लगता है कि यह यीशु के साथ इन कहानियों का एक ग्राफिक तरीका है, आपके पास एक व्यक्ति है, आपके पास एक भीड़ है जो आमतौर पर फरीसी या सद्दूकी होती है और कुछ बाधाएँ होती हैं और आपको यीशु मिलते हैं। फिर आपको यह त्रिकोणीय चीज़ मिलती है जो इन कहानियों में से बहुतों के साथ चल रही है। तो मुझे लगता है कि यह इसे बस ग्राफिक रूप से प्रस्तुत करता है और यह कुछ हद तक मददगार है।

जी. लूका यीशु को पूरी दुनिया के संदर्भ में रखता है [26:19-29:45]

सी: संयुक्त जीआई; 26:19-34:48; विश्व संदर्भ में यीशु, समस्याएं

यीशु सभी का उद्धारकर्ता है। यह आपको किस बात की याद दिलाता है? "जंगल में पुकारने वाले की आवाज़।" हर एक सुसमाचार में यह उद्धरण है, "जंगल में पुकारने वाले की आवाज़" जो जॉन बैपटिस्ट को संदर्भित करता है। वह जंगल में टिड्डे और जंगली शहद खा रहा है। "जंगल में पुकारने वाले की आवाज़" सभी इसे उद्धृत करते हैं, फिर भी केवल लूका जोड़ता है "सभी प्राणी परमेश्वर के उद्धार को देखेंगे।" लूका यह कथन जोड़ता है: "सभी प्राणी परमेश्वर के उद्धार को देखेंगे।" लूका यीशु को सभी का उद्धारकर्ता मानने पर जोर दे रहा है, इसलिए वह यशायाह से उस उद्धरण को जारी रखता है और वह उस कथन का उपयोग करना जारी रखता है "सभी प्राणी परमेश्वर के उद्धार को देखेंगे।"

अब, मैं इस पर काम करना चाहता हूँ, यहाँ एक छोटी सी बात सामने आई है - यह लूका के अध्याय 2 और 3 में है, और यह लूका 2:1 और फिर 3:1 में भी आता है। मुझे बस इसे पढ़ने दें। लूका कह रहा है कि यीशु सभी का उद्धारकर्ता है। इसलिए लूका यीशु को पूरी दुनिया के संदर्भ में

रखता है और मुझे लगता है कि लूका के पास कुछ अन्य प्रेरित लेखकों की तुलना में एक बड़ी दुनिया है जो यहूदी थे और उनका ध्यान कुछ हद तक संकीर्ण था। इसलिए, यहाँ लूका अध्याय 2 पद 1 है और फिर मैं कुछ इसी तरह के लिए अध्याय 3 पद 1 को देखना चाहता हूँ। वह कहता है, "उन दिनों में," यीशु के जन्म के समय के बारे में बात करते हुए। "उन दिनों में, कैसर ऑगस्टस ने एक आदेश जारी किया कि जनगणना की जानी चाहिए।" सीज़र ऑगस्टस, एक बार जब वह सीज़र ऑगस्टस का उल्लेख करता है, तो क्या वह यीशु को सीज़र, रोमन सीज़र के साथ दुनिया के संदर्भ में रखता है। हम जानते हैं कि सीज़र ऑगस्टस कौन था इसलिए हम यीशु को तब एक अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में रख सकते हैं। हम जानते हैं कि वह कौन था, यीशु का जन्म कैसर ऑगस्टस के शासनकाल में हुआ था। इससे हमें यीशु को कालानुक्रमिक रूप से खोजने में भी मदद मिलती है। ल्यूक ने लिखा है, "पूरे रोमी जगत में जनगणना की जानी चाहिए। यह पहली जनगणना थी जो किरिनियस के सीरिया के गवर्नर रहते हुए हुई थी।" तो एक सीरियाई गवर्नर है, दमिश्क सीरिया की राजधानी है; सीरियाई गवर्नर फिर इज़राइल में जनगणना करने जा रहा है। फिर अध्याय 3 पद 1 में आपको एक समान कथन मिलता है। "तिबेरियस कैसर के शासनकाल के पंद्रहवें वर्ष में," तो आपको यहाँ एक और संकेत मिलता है। तिबेरियस कैसर एक और कैसर है। फिर से, हम जानते हैं कि तिबेरियस ने कब शासन किया। पंद्रहवें वर्ष में, इसमें तिबेरियस के एक विशिष्ट वर्ष का उल्लेख है जो बहुत उपयोगी है। इस तरह की ऐतिहासिक टिप्पणियाँ बाइबल में बहुत बार नहीं मिलती हैं, इसलिए जब आप इसे पंद्रहवें वर्ष में तिबेरियस कैसर जैसे धर्मनिरपेक्ष लोगों से जोड़ सकते हैं तो यह हमें इस इतिहास को जोड़ने के लिए एक अच्छा हुक देता है। "जब पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया का राज्यपाल था, गलील का चौथाई शासक हेरोदेस और उसका भाई इतुरिया का चौथाई शासक फिलिप्पुस, और अबिलेने का चौथाई शासक त्राकोनितिस और लिसानियास था, तब अन्ना और कैफा का महायाजकत्व था।" इसलिए हम न केवल क्षेत्र और फिलिस्तीन के इन राज्यपालों को जानते हैं, बल्कि हम यह भी जानते हैं कि अन्ना कैफा के साथ महायाजक था। इसलिए लूका इन रोमन राज्यपालों की इस बड़ी तस्वीर में यीशु को ढूँढ़ता है।

एच. आलोचकों की प्रतिक्रिया “लूका में समस्याएँ [29:45-32:40]

अब कुछ लोगों ने कहा है कि यह एक विरोधाभास है, बाइबल में वास्तविक इतिहास के साथ विरोधाभास है। मूल रूप से यहाँ कुछ समस्याएँ हैं, कोई जनगणना नहीं हुई थी। आलोचक इस तरह की बातें कहेंगे: ऑगस्टस के समय में कोई जनगणना नहीं हुई थी। ऑगस्टस के समय से कोई ज्ञात जनगणना नहीं हुई है, नंबर एक। नंबर दो, जोसेफ को बेथलेहम जाने के लिए कोई जनगणना की आवश्यकता नहीं थी। याद रखें कि जोसेफ और मैरी को जनगणना करने के लिए बेथलेहम आना पड़ा था। बाहरी इतिहास में ऐसा कुछ भी दर्ज नहीं है। जोसेफस के पास 6 ईस्वी से पहले कोई किरिनियस जनगणना नहीं है। तो जोसेफस जो कि ईसा के समय के बाद 40 ईस्वी से 100 ईस्वी तक यहूदी इतिहासकार थे, लेकिन फिर भी 40 से 100 ईस्वी तक जोसेफस एक यहूदी इतिहासकार थे। उन्होंने यहूदियों के इतिहास और यहूदियों की प्राचीन वस्तुओं पर शायद इतनी ही मोटी किताब लिखी थी। तो जोसेफस पहली सदी में यहूदी लोगों के सबसे पूर्ण इतिहासकार थे। उन्होंने उल्लेख किया है कि जनगणना 6 ईस्वी में हुई थी। अब समस्या क्या है? यीशु का जन्म 4 या 5 ईसा पूर्व में हुआ था, इसलिए जनगणना में लगभग दस साल की देरी हुई है और यह महत्वपूर्ण है। किरिनियस यीशु के जन्म के समय गवर्नर नहीं हो सकता था। किरिनियस उसके बाद गवर्नर था। इसलिए इस तरह की बातें सामने आती हैं और वे कहते हैं कि बाइबल में कोई त्रुटि है। डेरिल बाक नाम का एक व्यक्ति था जो यीशु और ल्यूकन विद्वान था। डैरेल बॉक डलास सेमिनरी में ल्यूक पर देश के बेहतरीन न्यू टेस्टामेंट विद्वानों में से एक है और वह यीशु पर विशेष है और वह जो करता है उसमें बहुत अच्छा है। फिर वह नोट करता है कि ऑगस्टस के शासनकाल में तीन जनगणनाएँ हुई थीं। रोमन लोगों का पंजीकरण कर रहे थे, और जब रोमन जनगणना करने और लोगों का पंजीकरण करने गए तो उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र को उस क्षेत्र के लिए उपयुक्त तरीके से ऐसा करने की अनुमति दी। इसलिए क्षेत्र के गवर्नर तय करते थे कि वे जनगणना कैसे करना चाहते हैं। अब यह यहूदी हलकों में सामने आता है, और आपको लगता होगा कि यह स्वाभाविक है, यहूदी हलकों में आपको अपने मूल क्षेत्रों में वापस जाना पड़ता था। इसलिए उदाहरण के लिए वे बेथलेहम वापस चले गए जहाँ से वे थे। उन्हें यहूदिया के बेथलेहम जाना पड़ा क्योंकि वे यहूदा के गोत्र से थे। यह करने का एक बहुत ही यहूदी तरीका है और रोमनों ने उस क्षेत्र के मूल रीति-रिवाजों के अनुसार

जनगणना करने की अनुमति दी थी। इसलिए यह बहुत उचित लगता है कि यीशु वापस चले गए। जोसेफस द्वारा दर्ज की गई जनगणना 6 ईस्वी की थी। यह बहुत संभावना है कि अन्य जनगणनाएँ भी हुई हों। जोसेफस ने 6 ईस्वी की जनगणना का उल्लेख किया लेकिन उन्होंने 4 या 5 ईसा पूर्व की जनगणना का उल्लेख नहीं किया।

I. मौन से तर्क [32:40-34:48]

तो क्योंकि वह इसका उल्लेख नहीं करता, क्या इसका मतलब यह है कि बाइबल गलत है? इसे मौन से तर्क कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, क्या जोसेफस ने हर पिछली जनगणना को सूचीबद्ध किया है? नहीं, इसलिए आप बाइबल के खिलाफ़ तर्क नहीं दे सकते क्योंकि आपके पास ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है जो यह कहे कि ईसा पूर्व काल में 0 से पहले कोई जनगणना नहीं हुई थी। यह मौन से तर्क है और ये कमज़ोर तर्क हैं। सिर्फ़ इसलिए कि हम धर्मनिरपेक्ष इतिहास से इसके बारे में नहीं जानते, इसका मतलब यह नहीं है कि ऐसा कभी नहीं हुआ। हम इतिहास के बारे में बहुत सी बातें नहीं जानते। जब आप पुरातत्व में उतरते हैं और पुरातत्व को खोदते हैं तो आपके पास पुरातत्व सामग्री का केवल एक अंश होता है। पुरातत्व का बहुत सारा हिस्सा, इसका अधिकांश हिस्सा अभी भी दफन है और इज़राइल, मेसोपोटामिया और मिस्र में भी इसे खोदा नहीं गया है। मिस्र में काफ़ी कुछ किया गया है लेकिन पुरातत्व बहुत खंडित है इसलिए आप मौन के आधार पर किसी चीज़ के खिलाफ़ तर्क नहीं दे सकते। हमने अभी तक इसकी खोज नहीं की है और सचमुच टनों-टन, सैकड़ों-हजारों टन सामग्री मौजूद है, जिसे छानने की जरूरत है।

बोक ने किरिनियस के लिए जो दूसरा सुझाव दिया है, वह यह है कि यह बहुत संभव है कि किरिनियस दो बार गवर्नर रहा हो। वह गवर्नर हो सकता था और फिर उसे पद छोड़ने के लिए कहा गया हो या वह सीज़र के लिए किसी अन्य मिशन पर गया हो और फिर वापस आकर फिर से गवर्नर बना हो। तो आप वास्तव में यह मान सकते हैं कि वह दो बार गवर्नर रहा है और इसीलिए ईसा पूर्व और फिर ईस्वी सन् है और ऐसा होने की संभावना है। तो इसके लिए स्पष्टीकरण हैं, मैं बस इतना ही कहना चाह रहा हूँ कि इसे समझाने के लिए स्पष्टीकरण हैं। इतिहास के तर्कों से सावधान रहें जो कहते हैं कि यह बाइबल का खंडन करता है। वास्तव में इसका खंडन करने के लिए कोई सबूत

नहीं है, बस कोई सबूत नहीं है। इसलिए हम यह नहीं कह सकते कि बाइबल गलत है जब आपके पास इसका कोई सबूत नहीं है। यह मौन का तर्क है। तो यही तिथि समस्या है और इसी पर हम अध्याय 2 में काम कर रहे हैं। किरिनियस और जनगणना - किरिनियस को आप इसी तरह लिखते हैं - 6 ईस्वी तक जोसेफस में नहीं थी और बेथलेहम की यात्रा का कोई आदेश नहीं था। ये वे बातें हैं जो आलोचक उठाते हैं और यही हमने उत्तर देने की कोशिश की है।

जे. ल्यूक में गीत: मैग्निफिकैट और बेनेडिक्टस [34:48-38:29]

D: युहन्ना; 34:48-48:51; लूका में गीत और लोग

अब, ल्यूक की विशेषताएँ। अगर मैं आपसे पूछूँ कि इज़राइल का मधुर गायक कौन है, तो क्या जवाब होगा? इज़राइल का मधुर गायक कौन है? इज़राइल में वह कौन है जिसने इज़राइल के सभी गीत और चीज़ें दीं? यह डेविड था। भजन संहिता में राजा डेविड ने 72 भजन पढ़े हैं, जिनका शीर्षक "डेविड के लिए" या "डेविड को" है या आप जिस तरह से भी शीर्षकों को समझना चाहते हैं। लेकिन गीत, नए नियम में इज़राइल का मधुर गायक कौन है या, इज़राइल से बाहर हो सकता है, लेकिन नए नियम के गीतकार ल्यूक हैं। इसलिए ल्यूक के पास ये अद्भुत गीत हैं। मैं बस उनके कुछ गीतों पर चर्चा करना चाहता हूँ। इन गीतों को लैटिन नाम दिए गए हैं। ये सभी गीत बहुत प्रसिद्ध हैं। वे इतने प्रसिद्ध हैं कि उनके लिए वास्तव में नाम हैं और कभी-कभी आप भिक्षुओं को लैटिन में उनका जाप करते हुए सुनेंगे।

पहले को मैग्निफिकैट कहा जाता है और यह मैरी का गीत है। याद रखें कि हमने कैसे कहा कि ल्यूक मैरी से बात करता हुआ प्रतीत होता है और इसलिए आपको मैरी के बारे में बहुत करीब से पढ़ने को मिलता है, जो चीज़ें उसके दिल के बहुत करीब थीं। ल्यूक हमें बताता है कि उसने इन बातों को अपने दिल में संजो कर रखा था। मैरी को यह पता होगा इसलिए ल्यूक ने इसे उठाया। मैरी यह कहती है "मेरी आत्मा प्रभु की महिमा करती है, मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता ईश्वर में आनन्दित होती है।" ध्यान दें कि वह ईश्वर की पहचान कैसे करती है "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता ईश्वर में आनन्दित होती है।" याद रखें कि हमने कैसे कहा कि मोक्ष ल्यूक के लिए एक बड़ा विषय था, आप इसे यहाँ मैरी के गीत में भी देख सकते हैं। " क्योंकि उसने अपने सेवक की दीनता को ध्यान में रखा

है, अब से सभी पीढ़ियाँ मुझे धन्य कहेंगी, क्योंकि सर्वशक्तिमान ने मेरे लिए महान कार्य किए हैं।" यह मैरी का गीत है। यहाँ सुंदर गीत है, मैरी को एहसास है कि वह प्रभु की माँ बनने जा रही है और यह बहुत ही शानदार है, मैरी के गीत को *मैग्नफिकैट कहा जाता है*।

बेनेडिक्टस, हम समझते हैं कि आशीर्वाद क्या होते हैं। इस वर्ष कई छात्रों ने लैटिन भाषा में पढ़ा है, *बेने* का अर्थ है "अच्छा" या "अच्छा।" *डिक्टस* का अर्थ है "शब्दकोश", जैसे कि शब्दकोष, बोलना। तो *बेनेडिक्टस* का अर्थ है अच्छी तरह से बोलना। एक आशीर्वाद, चर्च सेवा के अंत में पादरी आमतौर पर अपने हाथ ऊपर उठाकर आशीर्वाद देते हैं। आशीर्वाद का अर्थ है कि वह लोगों के सामने अच्छी तरह से बोलेंगे। यदि आप पार्क स्ट्रीट चर्च में जाते हैं, तो आप गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर को देखेंगे। वह अपना हाथ उठाता है और कहता है "प्रभु आपको आशीर्वाद दें और आपकी रक्षा करें। प्रभु आप पर कृपा करें और आपको शांति प्रदान करें" और वह पुरोहित आशीर्वाद के साथ संख्या 6 पर चला जाता है। तो, आशीर्वाद पुरोहित आशीर्वाद की तरह है। तो यहाँ आपके पास बेनेडिक्टस है। यह जकरियास है। जकरियास कौन है? जकरियास और एलिजाबेथ जॉन द बैपटिस्ट के माता-पिता हैं। जॉन द बैपटिस्ट के जन्म की घोषणा की गई थी और जकरियास ने इस पर विश्वास नहीं किया लेकिन फिर उसने विश्वास किया। जब जॉन बैपटिस्ट का जन्म हुआ और जकर्याह पवित्र आत्मा से भर गया, तो परमेश्वर ने अपना मुँह खोला। पवित्र आत्मा के विषय को याद करें जो ल्यूक के साथ आता है? जकर्याह पवित्र आत्मा से भर गया और उसने भविष्यवाणी की। जकर्याह का गीत "इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की स्तुति हो, क्योंकि वह आया है और अपने लोगों को छुड़ाया है। उसने उद्धार का एक सींग उठाया है।" उद्धार के विषय पर ध्यान दें। "उसने अपने सेवक के घर में हमारे लिए उद्धार का एक सींग उठाया है।" तो यह एक आशीर्वाद है, एक *बेनेडिक्टस*, जिसमें जकर्याह गाता है और परमेश्वर की स्तुति करता है।

ल्यूक में के. गाने: ग्लोरिया इन एक्सेलसिस और ननक डिमिटिस [38:29-40:24]

एक्सेलसिस में ग्लोरिया, क्या आपको *एक्सेलसिस में ग्लोरिया* याद है *देवदूत*। हमने ऊँचे स्थान पर स्वर्गदूतों के बारे में सुना है। सर्वोच्च में परमेश्वर की महिमा हो, "सर्वोच्च में परमेश्वर की महिमा हो और पृथ्वी पर उन लोगों को शांति मिले जिन पर उसकी कृपा बनी हुई है।" *ग्लोरिया इन*

एक्सेलसिस यह स्वर्गदूतों द्वारा गाए गए गीतों का लैटिन संस्करण है। इसलिए ल्यूक ने गीत चुने, उन्होंने ऐसे गीत चुने जो स्वर्गदूत परमेश्वर के सामने गा रहे हैं। इसलिए स्वर्ग में संगीत होगा और आप में से कई लोग पृथ्वी पर संगीत का अध्ययन कर रहे हैं और यह अच्छी बात है क्योंकि जाहिर तौर पर स्वर्ग में संगीत है। स्वर्गदूत अध्याय 2 पद 14 में सर्वोच्च में परमेश्वर की महिमा गा रहे हैं।

इन गीतों में से आखिरी गीत, और यह जो मुझे बहुत पसंद है, शिमोन का गीत है। क्या आपको बूढ़ा शिमोन याद है? पवित्र आत्मा ने उससे कहा कि जब तक वह प्रभु के मसीह को नहीं देख लेता, तब तक वह नहीं मरेगा और वह शिशु यीशु को अपनी बांहों में उठा लेता है। वह यह कहता है, और *नन्क डिमिटिस* लैटिन में "अब विदा हो जाओ" का अर्थ है। इसलिए वह यह कहता है: "प्रभु प्रभु, जैसा कि आपने वादा किया है, अब अपने सेवक को शांति से विदा करें क्योंकि मेरी आँखों ने आपका उद्धार देखा है।" उद्धार कौन है? "उद्धार," जक्कई, "आपके घर आया है।" शिमोन, शिशु यीशु, "मेरी आँखों ने आपका उद्धार देखा है।" यीशु उद्धार है। "मैंने आपका उद्धार देखा है, क्योंकि आपने सभी लोगों की दृष्टि में अन्यजातियों के लिए प्रकाश के लिए एक ज्योति तैयार की है।" ध्यान दें, यहाँ अन्यजातियों को शामिल किया गया है, ल्यूक एक अन्यजाति है, वह उस विषय को उठाता है। जब आप प्रेरितों के काम की पुस्तक में जाते हैं, तो अन्यजाति विषय को उठाया जाता है। "इस्राएल में अपने लोगों की महिमा के लिए। अन्यजातियों के रहस्योद्घाटन के लिए और इस्राएल में लोगों की महिमा के लिए।" तो ये लूका की पुस्तक से चार अद्भुत गीत हैं। लूका नए नियम का भजनकार है।

एल. लूका में लोग: उड़ाऊ पुत्र और इम्माऊस मार्ग [40:24-42:46]

अब लगता है कि ल्यूक लोगों में दिलचस्पी रखता है। वह लोगों के अंदर क्या चल रहा है, इस बारे में बहुत बारीकी से जानता है और इसलिए आपको उड़ाऊ बेटे की कहानी मिलती है। उड़ाऊ बेटा अपने पिता के पास आता है और आपको पिता-पुत्र के बीच तनाव देखने को मिलता है। पिता अपने बेटे के प्रति दयालु और कृपालु है और उसे विरासत दे देता है। यह माता-पिता का कितना अपमान था। आप लोगों को उड़ाऊ बेटे पर हमारे द्वारा ऑनलाइन मुफ्त में उपलब्ध कराए गए लेख को पढ़ना होगा। यह एक शानदार लेख है और मूल रूप से यह दर्शाता है कि कैसे इस

व्यक्ति ने वास्तव में अपने पिता से मुंह मोड़ लिया और फिर अपने पिता द्वारा अर्जित की गई संपत्ति को एक व्यभिचारी जीवन पर बर्बाद कर दिया। जब सब कुछ खत्म हो गया तो उसके पास ये सभी दोस्त थे, शराब और औरतें थीं और जब उसकी संपत्ति खत्म हो गई तो उसके पास कोई दोस्त नहीं बचा। इसलिए वह सूअरों के साथ रहता है और अपने पिता के पास वापस आता है और उसका पिता भाग जाता है। वैसे, क्या आपको लेख में उल्लिखित सेमिटिक मुहावरा समझ में आया? खैर, एक पिता भागता नहीं है। यह लगभग शर्मनाक बात है कि पिता बाहर भागता है और अपने बेटे का अभिवादन करता है और उसे पकड़ता है और अपने बेटे का स्वागत करता है। तो आपको पिता और बेटे का यह पुनर्मिलन मिलता है जब बेटा अपनी पीठ मोड़कर चला जाता है। यह यहाँ एक पिता और बेटे, उड़ाऊ बेटे के पुनर्मिलन की एक सुंदर कहानी है।

इसलिए ल्यूक ने इन सभी छोटी-छोटी व्यक्तिगत बातों को उठाया, जो अंदर की अंतरंगता से जुड़ी हैं। इम्मांस रोड पर हम बाद में विचार करेंगे। इम्मांस रोड, और आप इन दो लोगों को पुनरुत्थान के बाद चलते हुए देखते हैं और यीशु मृतकों में से जी उठे हैं। ये लोग वास्तव में इसके बारे में नहीं जानते हैं, इसलिए वे यरूशलेम से पश्चिम की ओर लगभग छह या सात मील की दूरी पर, एक सप्ताह दिन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह आदमी बस प्रकट होता है और उनके साथ चलता है। यह वास्तव में यीशु है, लेकिन वह उनके साथ चलता है और उन्हें समझाना शुरू करता है, "क्या तुम लोग जानते हो कि यरूशलेम में क्या हो रहा है?" उन्होंने कहा "क्या तुमने नहीं सुना कि यीशु, एक भविष्यवक्ता, मर गया?" यीशु साथ खेल रहे हैं और कहते हैं, "नहीं, मुझे और बताओ" और फिर यीशु ने उन्हें शास्त्र से समझाया और कहा, "जब उन्होंने शास्त्रों को समझाया और उन्होंने समझाया कि उन्हें मृतकों में से जी उठना चाहिए, तो हमारे दिल हमारे भीतर जल उठे।" फिर अचानक यीशु ने उनके साथ रोटी तोड़ी और यह वास्तव में एक अच्छी कहानी है। जब वह उनके साथ रोटी तोड़ता है, तो अचानक वे उसे पहचान लेते हैं और कहते हैं कि यह यीशु है और फिर वह चला जाता है।

लूका में लोग: महिलाएँ और बच्चे [42:46-45:31]

तो महिलाएँ और बच्चे, हमने कई बार इस ओर ध्यान दिलाया है। यीशु ने अध्याय 8 की

आयत 1 से 3 में महिलाओं और बच्चों की ओर ध्यान दिलाया था, जिसमें कहा गया था कि महिलाएँ यीशु की ज़रूरतों को पूरा कर रही थीं। कि बहुत सी महिलाएँ यीशु का साथ दे रही थीं। यह बहुत दिलचस्प है। आपको ज़ेबेदी की माँ, ज़ेबेदी की पत्नी मिलेगी। क्या आपको प्रेरित याकूब और यूहन्ना याद हैं? ज़ेबेदी की पत्नी जाहिर तौर पर यात्रा कर रही थी और यीशु के मंत्रालय में उनका साथ दे रही थी, साथ ही मरियम मगदलीनी और ये सभी अन्य महिलाएँ भी। जब यीशु क्रूस पर चढ़ते हैं, तो यह दिलचस्प है कि जब यीशु क्रूस पर चढ़ते हैं, तो महिलाएँ उनके लिए विलाप कर रही होती हैं, न कि शिष्य। अगर आप जेरूसलम में खो जाओ कार्यक्रम में जाते हैं और आप वाया डोलोरोसा नामक मार्ग पर जाते हैं, तो आप जेरूसलम में वाया डोलोरोसा पर चढ़ते हैं, यह दुख का मार्ग है। अगर आप वाया डोलोरोसा पर चढ़ते हैं, तो आपको क्रॉस के कई स्टेशन दिखाई देंगे, आप पंद्रह देखेंगे। मुझे नहीं पता कि स्टेशन 3, 4, या 5 में से कितने स्टेशनों पर आप महिलाओं को यीशु के लिए रोते और विलाप करते हुए देखेंगे। यह लूका 23:27 और उसके बाद की किताब से लिया गया है।

लूका ने नैन की विधवा को उठाया। नैन की विधवा जिसका इकलौता बेटा मर चुका है और यीशु ने नैन के बेटे की विधवा को जीवित किया। आपको एक और कहानी मिली है जिसमें कहा गया है कि यह उसकी इकलौती बेटी थी। क्या आपको यारीस याद है? यारीस एक ऐसा व्यक्ति था जो यीशु के पास आया और कहा “मेरी बेटी मरने वाली है। यीशु, कृपया, आकर उसे ठीक कर दें।” वह उसकी इकलौती बेटी है। ऐसा लगता है कि लूका ने इस इकलौती संतान के भाव को उठाया है। वह उसकी इकलौती बेटी है और फिर क्या होता है? जब वे यारीस के घर जा रहे होते हैं तो वे यह संदेश लेकर आते हैं कि “लड़की मर चुकी है। अब मास्टर को परेशान करने का कोई मतलब नहीं है।” जब वह मर चुकी है तो अब उसे क्यों आना चाहिए। और यीशु कहते हैं, “मैं तुम्हारे घर आ रहा हूँ,” और यीशु उसे मृतकों में से जीवित करते हैं। तो यह वास्तव में इस “इकलौती संतान” भाव के साथ एक विशेष बात है।

फिर दूसरी चीज़ जो आपको मिली है वह है अध्याय 9 में यह दूसरा आदमी। यारीस अध्याय 8 श्लोक 42 में था। अध्याय 9, अगले अध्याय में आपको यीशु आते हुए दिखाई देंगे। तो यह अध्याय 7 है जिसमें नाईन के बेटे की विधवा को मृतकों में से जीवित किया जाता है, अध्याय 8 श्लोक 42 में

यारीस की बेटी को मृतकों में से जीवित किया जाता है और फिर अध्याय 9 पर। तो यह अध्याय 7, अध्याय 8 और अध्याय 9, ये सभी कहानियाँ, लूका 9:38 में इस आदमी का एक इकलौता बच्चा है। इस इकलौते बच्चे में यह दुष्टात्मा है और यीशु ने इस इकलौते बच्चे में से दुष्टात्मा को बाहर निकाला। ऐसा लगता है कि लूका ने इन बातों को इकलौते बच्चों और महिलाओं के साथ उठाया है और ऐसा लगता है कि लोगों की दिलचस्पी इसी में है। वह लोगों के दिलों को बहुत करीब से पढ़ता है कि वे क्या सोच रहे हैं।

एन. गरीबों पर ध्यान दें: मैरी का गीत और सामाजिक न्याय [45:31-48:51]

अब लूका गरीबों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। तो *मैग्निफिकैट में मैरी के गीत में* मैंने पहले पूरी बात नहीं पढ़ी थी लेकिन *मैग्निफिकैट में* यह कहा गया है: "उसने शक्तिशाली सिंहासनों को गिरा दिया है और दीन-हीन को ऊपर उठा दिया है। उसने भूखों को अच्छी चीजों से भर दिया है और अमीरों को खाली हाथ भेज दिया है।" तो, "उसने शक्तिशाली को गिरा दिया है, दीन-हीन को ऊपर उठा दिया है। उसने भूखे को खाना खिलाया है लेकिन अमीरों को खाली हाथ भेज दिया है।" तो आपको इस तरह का उलटा मिलता है जहां अमीर गरीब हो जाते हैं और गरीबों को खाना मिलता है। लूका गरीबों और बहुत सी चीजों के साथ इस पर बात करता है। जब आप सामाजिक न्याय के मुद्दों के बारे में बात करते हैं तो वे आमतौर पर लूका की किताब के बारे में बात करते हैं क्योंकि लूका गरीबों और उस तरह के संदर्भ पर जोर देता है। अध्याय 4 श्लोक 16 और उसके बाद कहा गया है कि यीशु गरीबों को खुशखबरी देने आया था। "वह गरीबों को खुशखबरी देने आया था, बंदियों की रिहाई की घोषणा करने और अंधे को दृष्टि वापस दिलाने, उत्पीड़ितों को मुक्त करने के लिए।" तो, यीशु गरीबों, उत्पीड़ितों के लिए काम करता है और उन्हें मुक्त करता है। बहुत सुन्दर संदेश है, सामाजिक सुसमाचार के लोगों ने इन अंशों को बाहर निकाला है।

समस्या यह है कि आप पाप और मोक्ष और इस तरह की चीजों से निपटते हैं। आप हमारी संस्कृति में सामाजिक न्याय के मुद्दों और पाप से मुक्ति के संदर्भ में मोक्ष के मुद्दों के बीच इस तनाव को विकसित होते हुए देखते हैं। चूंकि हमारी संस्कृति अब पाप को पसंद नहीं करती है, इसलिए हम वास्तव में सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करते हैं और हम गरीबों की मदद करने, गरीबों की

मदद करने, गरीबों की मदद करने के सामाजिक न्याय पर बहुत अधिक ध्यान देते हैं और इस तथ्य की उपेक्षा करते हैं कि यीशु क्या करने आए थे? "परमेश्वर के मेमे को देखो जो जगत के पाप को दूर ले जाता है" और मोक्ष, मसीह के रक्त के माध्यम से मुक्ति हम गरीबों की मदद पर जोर देते हुए कम महत्व देते हैं और यह एक समस्या हो सकती है। सवाल यह है कि क्या यह या वह है? इसका उत्तर है नहीं, यह या तो नहीं है/या यह दोनों है/और समस्या यह है कि एक समूह गरीबों पर जोर देता है विशेष रूप से समाजवादी और कम्युनिस्ट मार्क्सवादी प्रकार के लोग। आप पवित्रशास्त्र का उपयोग करते हैं और सामाजिक न्याय के मुद्दों का उपयोग करते हैं और पवित्रशास्त्र को जोड़ते हैं, वे वास्तव में पवित्रशास्त्र के बारे में बहुत अधिक परवाह नहीं करते हैं, वे जो करते हैं वह यह है कि वे गरीबों की मदद करने के बारे में पवित्रशास्त्र से इन विषयों को निकालते हैं और वे मूल रूप से उन विषयों पर चले जाते हैं और पश्चाताप के सुसमाचार के अन्य पहलुओं को अनदेखा करते हैं, भगवान की पूजा करते हैं और भगवान की सेवा करते हैं। मुझे लगता है कि वास्तव में दोनों चरम सीमाओं पर समस्याएँ हैं। बेशक, अकादमी में - और मुझे कहना चाहिए कि अधिकांश कॉलेजों में - सामाजिक न्याय के मुद्दे को आगे बढ़ाया जाता है और पाप से मुक्ति और मुक्ति को कम करके आंका जाता है। इसलिए मुझे लगता है कि अकादमी और कॉलेज और विश्वविद्यालय दूसरी तरफ संतुलन बना सकते हैं कि यीशु पापियों को बचाने और दुनिया के लोगों के पापों के लिए अपना खून बहाने के लिए आए थे। ल्यूक का उपयोग चीजों के सामाजिक न्याय पक्ष को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है।

ओ. गरीबों पर ध्यान दें: सब कुछ बेचें और दृष्टांत [48:51-51:41]

E: O को संयोजित करें; 48:51-51:41; गरीबों पर ध्यान दें

सब कुछ बेचकर गरीबों को दे दो अध्याय 12:31, 14:33, 18:22 में तीन बार वह अमीर युवा शासक था जिस पर हमने गौर किया। वैसे जब आप प्रेरितों के काम की पुस्तक में इस विषय को उठाते हैं, तो ल्यूक भी प्रेरितों के काम को लिख रहा है। आप देखेंगे कि प्रारंभिक चर्च में उन्होंने सब कुछ दिया और प्रारंभिक चर्च में सब कुछ साझा था। वैसे, ध्यान दें कि जब उनके पास सब कुछ साझा था तो क्या सरकार कह रही थी कि आपको धन का पुनर्वितरण करना है, आपको यहाँ इस

व्यक्ति को धन देना है? नहीं, यह जक्कई की तरह होता है, कि एक व्यक्ति अपने दिल से ऐसा करता है। यह उनकी पसंद है। वह लोगों से धन नहीं लेता है। यह उनकी पसंद है कि वे इसे गरीबों को उदारता से दें और इसलिए आपको इन चीजों के बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए जहाँ वे आते हैं और कहते हैं कि आपके पास धन है और मैं गरीब हूँ इसलिए आपको मुझे अपना पैसा देना चाहिए। यीशु ने यह नहीं कहा कि अमीरों को गरीबों को देना चाहिए और मैं गरीब हूँ इसलिए मुझे अपना पैसा दो। यहाँ ऐसा नहीं कहा जा रहा है। यह दिल से आता है और गरीबों की मदद करने के लिए उदारता है। व्यक्ति को खुद के लिए चुनने की स्वतंत्रता रखने के लिए ईमानदारी की आवश्यकता होती है, इसलिए तब यह एक नैतिक मुद्दा बन जाता है। वे ऐसा कर सकते हैं या नहीं, यह उनकी पसंद है। चुनाव: यदि पवित्रशास्त्र में कोई चीज बड़ी बात है तो वह है चुनाव का मुद्दा और व्यक्ति की पसंद एक बड़ी चीज है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारी संस्कृति में हम कानून बनाना चाहते हैं कि क्या किया जाना चाहिए और इसे अनिवार्य बनाना चाहिए। यह दिल से आना चाहिए। सभी अमीर लोगों ने अपनी सारी चीजें दान नहीं कीं। हम देखेंगे कि अरामथिया का यूसुफ यीशु की कब्र में मदद करता है लेकिन अरामथिया का यूसुफ एक अमीर आदमी है। जब आप प्रेरितों की पुस्तक में जाते हैं तो आप लिडिया को देखेंगे जो बैंगनी रंग की विक्रेता है। वह एक अमीर महिला है। वह अपनी संपत्ति से उनकी मदद करती है लेकिन वह इसे गरीबों को नहीं देती। वह अपनी संपत्ति का उपयोग अच्छे कामों के लिए करती है। आपको इसके साथ काम करना होगा।

अमीर मूर्ख के खलिहान यह वह व्यक्ति है जो अगले दिन मरने वाला है और बड़े खलिहान बनाने की बात कर रहा है और मसीह आकर कहता है, "आज तुम्हारी आत्मा तुमसे माँगी जाएगी और जब तुम मरोगे तो तुम इसे अपने साथ नहीं ले जा सकते।" आप जितना संभव हो उतना अमीर हो सकते हैं। यह उन चीजों में से एक है जो मुझे वॉरेन बफेट के बारे में पसंद है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक कहता है कि वह शून्य के साथ मरना चाहता है और वह सब कुछ दान करना चाहता है। मुझे लगता है कि इसमें कुछ महान है और मैं बस उम्मीद करता हूँ कि वह इसे पूरा करेगा। इसमें कुछ महान और अच्छा है। यह यीशु का तरीका है। तो अमीर मूर्ख के खलिहान, आप इसे अपने साथ नहीं ले जा सकते, और आप इसका उपयोग कैसे करेंगे। लाजर और गोता। लाजर

और अमीर आदमी हम स्वर्ग और नरक के संदर्भ में एक सेकंड में इसके बारे में बात करेंगे। ध्यान गरीबों पर है।

पी। लाजर और अमीर आदमी का दृष्टांत [51:41-56:19]

एफ: संयुक्त पी.टी.; 51:41-73:30 अंत ; लाजर और अमीर आदमी, नरक

लाजर और अमीर आदमी की बात करते हुए, आइए स्वर्ग और नरक के संदर्भ में उस पर चलते हैं। मैं अध्याय 16 श्लोक 19 और उसके बाद के इस दृष्टांत के बारे में थोड़ा सा बताना चाहता हूँ। लाजर और अमीर आदमी का दृष्टांत। मुझे इसे पूरा पढ़ने दें। सवाल यह है कि बाइबल नरक के बारे में क्या सिखाती है? क्या वास्तव में "नरक" नामक कोई जगह है? एक अच्छा, प्यार करने वाला, दयालु भगवान किसी को नरक में कैसे भेज सकता है? एक अच्छा, दयालु, करुणामय, क्षमा करने वाला भगवान किसी को नरक में कैसे भेज सकता है? सबसे पहले मुझे नहीं लगता कि भगवान किसी को नरक में भेजते हैं, मुझे लगता है कि वे एक विकल्प बनाते हैं और वहाँ जाते हैं। लेकिन वैसे भी, अध्याय 16 श्लोक 19 "एक धनी व्यक्ति था जो बैंगनी [धन का संकेत] और बढ़िया मलमल पहनता था और हर दिन विलासिता में रहता था। उसके द्वार पर लाजर नाम का एक भिखारी पड़ा रहता था, जो घावों से भरा हुआ था और अमीर आदमी की मेज से जो गिरता था उसे खाने के लिए तरस रहा था।" कुछ लोग अपने कुत्तों को लोगों से ज़्यादा महत्व देते हैं। उस संस्कृति में कुत्तों को बहुत नकारात्मक रूप से देखा जाता है। "यहां तक कि कुत्ते भी आकर उसके घावों को चाटने लगे। वह समय आया जब भिखारी मर गया और स्वर्गदूत उसे अब्राहम के पास ले गए। अमीर आदमी भी मर गया और उसे नरक में दफनाया गया जहां वह पीड़ा में था।" तो यह हमें नरक के बारे में थोड़ा बताता है। "नरक में, जब वह पीड़ा में था, तो उसने ऊपर देखा और अब्राहम को दूर देखा और उसके पास लाजर था।"

बहुत दिलचस्प है, जब भी आप बाइबिल की कहानी पढ़ते हैं, तो हमेशा ध्यान दें कि किसका नाम है और किसका नहीं। इस कहानी में लाजर का नाम है। लाजर कौन है? लाजर एक गरीब भिखारी है। लेकिन फिर भी लाजर को नाम देकर उसे सम्मान दिया जाता है। लेकिन अमीर आदमी के पास क्या है? उसे कभी नाम से नहीं पुकारा जाता, उसे "धनवान आदमी" कहा जाता है।

उसका कभी नाम से उल्लेख नहीं किया जाता, इसलिए यह दिलचस्प है। "और उसने उसे पुकारा, 'पिता अब्राहम, मुझे पर दया करो। लाजर को भेजो ताकि वह अपनी उंगली पानी में डुबोए और मेरी जीभ को ठंडा करे क्योंकि मैं इस आग में तड़प रहा हूँ।'" ध्यान दें कि वहाँ पीड़ा, दर्द और पीड़ा है। वह अपनी जीभ को ठंडा करने के लिए कुछ, पानी चाहता है। तो यह वर्णन कर रहा है, हम यहाँ एक दृष्टान्त, एक कहानी प्राप्त कर रहे हैं जिसका उपयोग यीशु यह वर्णन करने के लिए कर रहे हैं कि अमीर आदमी और लाजर के बीच इस अलगाव में क्या चल रहा है। यह आदमी नरक में है और लाजर अब्राहम की गोद में या अब्राहम के करीब है। "लेकिन अब्राहम ने उत्तर दिया, 'बेटा याद रखो कि तुम्हारे जीवनकाल में तुम्हें अपनी अच्छी चीजें मिली थीं जबकि लाजर को बुरी चीजें मिली थीं लेकिन अब वह यहाँ आराम कर रहा है और तुम पीड़ा में हो। इन सबके अलावा, हमारे बीच एक बड़ी खाई है जिसे इस तरह से बनाया गया है कि जो लोग यहाँ से तुम्हारे पास जाना चाहते हैं वे नहीं जा सकते और न ही कोई वहाँ से हमारे पास आ सकता है।'" यह एक खाई है और जाहिर है कि आप खाई को पार नहीं कर सकते। जाहिर है कि आप खाई के पार संवाद कर सकते हैं क्योंकि वे सुन सकते थे कि वह आदमी क्या कह रहा था लेकिन वे इसे पार नहीं कर सकते थे। "उसने उत्तर दिया, 'तो मैं आपसे विनती करता हूँ, पिता, लाजर को भेजो,'" फिर से वह लाजर को आदेश दे रहा है, "'लाजर को मेरे पिता के घर भेजो क्योंकि मेरे पाँच भाई हैं। उसे उन्हें चेतावनी देने दो ताकि वे भी इस पीड़ा की जगह पर न आँ।' अब्राहम ने उत्तर दिया [इसे देखें], अब्राहम ने उत्तर दिया, 'उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं।'" ये शास्त्र के दो खंड हैं। मूसा, उनके पास पेंटाटेच, उत्पत्ति से व्यवस्थाविवरण तक और उनके पास भविष्यद्वक्ता थे। भविष्यद्वक्ता जोशुआ से शुरू होते हैं और वे उन्हें पूर्व भविष्यद्वक्ता और बाद के भविष्यद्वक्ता कहते हैं: यशायाह, यिर्मयाह, हिब्रू कैनन में। इसलिए वह कहता है, "उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं। उन्हें उनकी बात सुननी चाहिए।" 'नहीं, पिता अब्राहम,' [वह नरक से फटकार रहा है वह अभी भी अब्राहम को फटकार रहा है]। उसने कहा 'लेकिन अगर कोई,' [अब यह महत्वपूर्ण कैच लाइन है। मुझे लगता है कि यह पंच लाइन है]। वह कहता है, 'नहीं, पिता अब्राहम, उसने कहा लेकिन अगर मृतकों में से कोई उनके पास जाता है तो वे पश्चाताप करेंगे।' अब्राहम ने उससे कहा, 'यदि वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की बात नहीं सुनते हैं तो वे आश्चर्य नहीं होंगे। यहां तक कि अगर कोई मृतकों में से उठता है तो वे आश्चर्य

नहीं होंगे।" यह किसके बारे में बात कर रहा है? मुझे लगता है कि यह पूर्वाभास है। यह यीशु मसीह के बारे में एक संकेत है। पूर्वाभास यीशु मसीह मृतकों में से वापस आ जाएगा और वे अभी भी विश्वास नहीं करेंगे।

प्र. विपरीत वर्णन और नरक का महत्व [56:19-59:13]

तो यह लाजर और अमीर आदमी का दृष्टांत है और यह सवाल उठाता है कि नरक के साथ क्या किया जाए। आपके पास लाजर और अमीर आदमी है। मुझे यहाँ पाँच बुलेट पॉइंट्स के माध्यम से काम करने दें। इस जीवन में अमीर आदमी की विलासिता और लाजर की गरीबी के विपरीत वर्णन हैं। फिर भी दूसरी दुनिया में यह उलटफेर होता है जहाँ अमीर आदमी अपनी विलासिता के साथ अब नरक में है जबकि लाजर भिखारी जिसके पास खाने के लिए पर्याप्त नहीं था, उसे ऊपर उठा लिया जाता है। वह अपने भाइयों को याद करता है। यह दिलचस्प है कि वह दूसरी दुनिया में अपने भाइयों को याद करता है लेकिन लाजर के साथ जो हुआ उसके लिए कोई पश्चाताप की भावना नहीं है। लाजर अपनी मेज के पास एक गरीब भिखारी है और कुत्ते उसके घावों को चाट रहे हैं, लेकिन लाजर की कोई याद नहीं है। यह केवल अपने भाइयों के लिए चिंता है। उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं जो अब्राहम ने उसे बताए थे। यह यीशु का पूर्वाभास देता है, जो मृतकों में से वापस आया और कहानी का अंत एक तरह से यही है। यदि कोई व्यक्ति मृतकों में से वापस आ जाए तो भी वे विश्वास नहीं करेंगे और ऐसा लगता है कि वे यीशु के बारे में बात कर रहे हैं।

तो क्या यहाँ स्वर्ग और नर्क की बात है? मुझे नहीं लगता। मुझे लगता है कि हमें पश्चाताप के बारे में सोचना चाहिए। हमें गरीबों की देखभाल के बारे में सोचना चाहिए। हमें यह सोचना चाहिए कि "नर्क" नामक एक जगह है। तो, क्या अब कोई मायने रखता है? क्या यह जीवन मायने रखता है? यह जीवन निर्धारित करता है, क्या हमारे निर्णय निर्णायक हैं? मुझे लगता है कि यह लोगों के लिए वास्तव में डरावना है। क्या हम जो निर्णय अभी लेते हैं, उनके अनंत परिणाम होते हैं? क्या हमारे अभी के निर्णयों के अनंत परिणाम होते हैं? इसका उत्तर है: हाँ। अब मायने रखता है। आप अपने जीवन के साथ क्या करने का निर्णय लेते हैं, यह मायने रखता है। यह सिर्फ अभी के लिए नहीं, बल्कि अनंत काल के लिए मायने रखता है। इसलिए मैं यह सुझाव देना चाहता हूँ कि ईश्वर

वास्तव में हमें मनुष्य के रूप में सम्मान दे रहा है कि हम चुनाव करते हैं, हम इस दुनिया में शामिल होते हैं और हमारे चुनाव के परिणाम होते हैं। हमारे चुनाव के अनंत परिणाम होते हैं। यह आश्चर्यजनक है कि ईश्वर ने हमें इस सीमित लौकिक दुनिया में क्या करने की अनुमति दी है कि हम सभी 80, 90 साल तक इधर-उधर घूमते रहते हैं और हमें 80 या 90 साल मिलते हैं और हम जो निर्णय लेते हैं, वे हमेशा के लिए बने रहते हैं। यह एक आश्चर्यजनक बात है, इसलिए अब निर्णय लेना बहुत महत्वपूर्ण है और आपको अपने निर्णयों पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता है।

तो बाइबल के दूसरे हिस्सों से नरक के बारे में हमें क्या-क्या पता है? यह दिलचस्प है, यीशु ने वास्तव में स्वर्ग से ज़्यादा नरक के बारे में सिखाया। यीशु ने ज़्यादा सिखाया, यीशु की शिक्षाएँ ज़्यादा हैं--वैसे, आप नरक को अनदेखा करके यह नहीं कह सकते कि "नरक को नरक में जाने दो।" आप ऐसा नहीं कह सकते क्योंकि यीशु ने खुद स्वर्ग से ज़्यादा नरक के बारे में सिखाया। नरक के बारे में बहुत सी शिक्षाएँ यीशु से आती हैं। वैसे, नरक के बारे में बात करने के लिए यीशु ही सबसे अच्छे व्यक्ति हैं क्योंकि यीशु दोनों पक्षों को जानते हैं। वे दोनों पक्षों में रहे हैं और ऐसा नहीं है कि यीशु नरक में रहे हैं, यह एक अलग सवाल है।

आर. नरक के लिए तीन शब्द [59:13-62:12]

नरक के लिए तीन शब्द हैं। पुराने नियम में शब्द था *शिओल*। *शिओल* का इस्तेमाल अंडरवर्ल्ड के तौर पर किया जाता था। *शिओल* का मतलब अक्सर “कब्र” होता है। अक्सर जब लोग लोगों को ज़मीन में गाड़ते हैं तो वे कब्र के लिए *शिओल* शब्द का इस्तेमाल करते हैं। इसका मतलब अंडरवर्ल्ड नहीं है। इसका मतलब है कि उन्होंने उस व्यक्ति को दफनाया है। इसलिए *शिओल* का मतलब बस “कब्र” या “कब्र” जैसी चीज़ हो सकता है।

गेहेना दरअसल हिब्रू में दो शब्द हैं। *गेह*, का मूल अर्थ है “घाटी।” *हेन्ना* हिन्नीम के लिए है, जो यरूशलेम के दक्षिण-पश्चिम में हिन्नीम घाटी को संदर्भित करता है। अगर आप में से कुछ लोग यरूशलेम यूनिवर्सिटी कॉलेज में पढ़ने जाते हैं, तो यह हिन्नीम घाटी के किनारे पर स्थित है। हिन्नीम घाटी चारों ओर फैली हुई है और यरूशलेम यूनिवर्सिटी कॉलेज ऊपर और उसके चारों ओर फैला हुआ है। यह एक कूड़े का ढेर था जहाँ वे अपना कूड़ा जलाते थे। यह जलने की जगह थी। यह

जगह, यह जलने की जगह गेहेना बन जाती है, हिन्नोम की घाटी, यह जलने की जगह, एक रूपक या बेहतर रूप से जलने की जगह के रूप में नरक के लिए एक रूपक बन जाती है।

दूसरी बात जिसके लिए हिन्नोम की घाटी जानी जाती है, वह यह है कि यहाँ वे अपने बच्चों को जलाते हैं। आपको पुराने नियम में याद होगा, मोआब और एदोम और ट्रांसजॉर्डन के केमोश और मोलेक नामक एक देवता थे और वे देवता फिर इज़राइल आए और लोगों ने वास्तव में अपने बच्चों को जला दिया। उन्होंने अपने बच्चों को हिन्नोम की घाटी में मोलेक और केमोश देवताओं के लिए जला दिया, इसलिए यह एक बहुत बुरी जगह है।

मुझे याद है कि जब मैं वहाँ था तो मैं यरूशलेम में खो जाने के लिए कुछ तस्वीरें ले रहा था, यरूशलेम की एक आभासी वास्तविकता। मैं हिन्नोम की घाटी में गया और मैं सुबह जल्दी निकल गया और मैं अकेले ही चला गया, आमतौर पर आपको अकेले यात्रा नहीं करनी चाहिए। मैंने कहा कि मैं एक तस्वीर लेना चाहता हूँ और मैंने देखा कि हिन्नोम की घाटी में कूड़ा पड़ा हुआ था। मैंने सोचा कि मैं इस कूड़े के ढेर की 360 डिग्री की तस्वीर लेने जा रहा हूँ, हिन्नोम की घाटी में यह जलती हुई जगह। इसलिए मैं कूड़े के ढेर की ओर जा रहा था और मैं अपनी तस्वीर लेने के लिए तैयार हो रहा था और अचानक ये तीन अजीब लोग कूड़े के ढेर से बाहर आए और वे वास्तव में सीधे मेरी ओर आ रहे थे। मुझे लगा कि अब वहाँ से निकलने का समय हो गया है इसलिए मैंने अपने ट्राइपॉड और अपने कैमरे की टाँगें खींची और भाग गया क्योंकि मुझे पता था कि ये लोग मेरे पीछे आ रहे हैं। तो वैसे भी, हिन्नोम की घाटी में कूड़े के ढेर का उपयोग गे हेन्ना के रूपक के रूप में किया जाता है, नरक, अधोलोक या रसातल का स्थान जो मूल रूप से अंडरवर्ल्ड को संदर्भित करता है।

एस. आधुनिक संस्कृति में नरक [62:12-67:15]

यीशु ने स्वर्ग से ज़्यादा नरक के बारे में सिखाया। यह आधुनिक संस्कृति के विपरीत है। आधुनिक संस्कृति कहती है कि हमेशा दूसरा मौका होता है। ईश्वर प्रेमपूर्ण है, ईश्वर दयालु है, ईश्वर हमेशा दूसरा मौका देता है। कभी-कभी ईश्वर दूसरा मौका नहीं देता। कभी-कभी चीजें होती हैं और उनके अनंत परिणाम होते हैं। अब मायने रखता है। आपके विकल्प मायने रखते हैं। इसलिए प्यार पर ज़ोर देने के बारे में सावधान रहें। आपको याद रखना होगा कि पाप एक बड़ी बात है। हमारी

संस्कृति में वे कहते हैं, "पाप ने वास्तव में किसी को चोट नहीं पहुँचाई है इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है।" हम हमेशा पाप को कम करके आंकते हैं। जाहिर है कि पाप ईश्वर के लिए इतना बड़ा है कि उसने अपने बेटे को इसके लिए मरने के लिए भेज दिया। पाप ईश्वर के लिए बहुत बड़ा है। हमेशा क्षमा करने के बारे में सावधान रहें।

अब, आप नरक की अवधारणा के साथ कैसे काम करते हैं और आप लोगों के बारे में सोचते हैं कि वे हमेशा के लिए नरक में रहेंगे? सच तो यह है कि हाल ही में मैं स्वर्ग की अनंतता के बारे में सोच रहा हूँ। मुझे यकीन नहीं है कि मैं अपने दिमाग को समझ पाऊँगा कि लाखों और अरबों सालों तक स्वर्ग में जाने का क्या मतलब है। मुझे कोई सुराग नहीं है कि इसका मतलब दूसरी तरफ जाने से भी क्या है। क्या आपको भेड़ और बकरियों की बात याद है? वह भेड़ों को एक तरफ और बकरियों को दूसरी तरफ अलग करता है। भेड़ों को उसके राज्य में आमंत्रित किया जाता है। बकरियों को वह नरक में भेजता है जहाँ रोना और दाँत पीसना होता है। इसलिए मैथ्यू अध्याय 25 में भेड़ और बकरियों का अलगाव एक और महत्वपूर्ण अंश है।

यहाँ मार्क 9:47 है। ध्यान दें कि सभी लेखक, ल्यूक नरक के बारे में बात करते हैं, मैथ्यू इसके बारे में बात करते हैं, मार्क अब कहते हैं "यदि आपकी आंख आपको ठेस पहुँचाती है तो आप इसे निकाल दें। यदि आपका हाथ आपको ठेस पहुँचाता है तो आप इसे काट दें। आपके लिए एक हाथ से जीवन में प्रवेश करना बेहतर है, जहाँ कीड़ा नहीं मरता और आग नहीं बुझती।" यह जलने की एक भयानक कल्पना है। यह एक बुरी जगह है। मैथ्यू 7:22 को याद रखें "उस दिन बहुत से लोग मुझसे कहेंगे 'हे प्रभु, हे प्रभु,' और मैं कहूँगा कि मेरे पास से चले जाओ, मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना," भगवान से ये शब्द सुनना एक भयानक बात है। नरक, मैथ्यू 23:23: "न्याय के दिन सदोम और अमोरा के लिए यह तुम्हारे [कफरनहूम] के लिए बेहतर होगा क्योंकि तुमने मसीह को अस्वीकार कर दिया।"

यह सब कह रहा है कि आने वाला न्याय का दिन है जिसमें निर्णय लिए जाएँगे और यह सदोम और अमोरा के लिए बेहतर होगा। जाहिर है कि सज़ा के स्तर हैं। यह सदोम और अमोरा के लिए बेहतर होगा, जैसा कि कफरनहूम के लिए होगा, जाहिर है कि इनाम के स्तर हैं। सज़ा के स्तर भी हैं। रहस्योद्घाटन अध्याय 20। रहस्योद्घाटन की पुस्तक, कोई भी रहस्योद्घाटन की पुस्तक को

पसंद नहीं करता है क्योंकि इसे समझना बहुत कठिन है। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में, और इसका एक हिस्सा जो काफी स्पष्ट है, वह यह है कि आग की एक झील है जिसमें लोग, शैतान और उसके स्वर्गदूत शामिल हैं और साथ ही रहस्योद्घाटन 20 में भी।

तो इन सभी अंशों के साथ, हम पूछते हैं, और मुझे यहाँ एक चर्चा के रूप में इसे समाप्त करने दें। लोगों के पास क्या विकल्प हैं? जब आप नरक के बारे में सोचते हैं, तो मैं बस--आपसे ईमानदारी से कहूँ तो मैं इसे समझ नहीं पाता। कुछ लोग सोचते हैं, "ठीक है, अगर कोई भगवान है और वह किसी को नरक में भेज सकता है, तो मैं ऐसे भगवान की पूजा कभी नहीं करूँगा।" आप जितने चाहें उतने उपदेश दे सकते हैं। मैं बस थोड़ा सा आपके सामने आऊँ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या सोचते हैं। "मैं ऐसे भगवान की पूजा नहीं करना चाहता जो किसी को नरक में भेजता है।" आप जितना चाहें उतना घमंड कर सकते हैं लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या सोचते हैं। यह एक सवाल है कि यह वास्तव में मौजूद है या नहीं। चाहे आपको लगता है कि यह मौजूद है या नहीं, आप कहते हैं "ठीक है, मैं नरक में विश्वास नहीं करना चाहता।" आप नरक में विश्वास न करने का विकल्प चुन सकते हैं लेकिन इससे इसमें कोई बदलाव या कोई अंतर नहीं आता। अगर यह मौजूद है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप विश्वास करते हैं या नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी राय क्या है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, बिल्कुल भी नहीं। अगर कोई जगह मौजूद है तो वह मौजूद है। यह ऐसा है जैसे अगर कोई कार से टकरा जाए तो आप कह सकते हैं, "मुझे सच में विश्वास नहीं होता कि कार इतनी तेज़ चल सकती है इसलिए मुझे विश्वास नहीं होता कि उसने आपको टक्कर मारी है।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इस पर विश्वास करते हैं या नहीं, बस आपके पैर वहीं टूट गए, बस्टर। इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या विश्वास करते हैं, वास्तविकता एक निश्चित बिंदु पर टूट जाती है।

मुझे लगता है कि अमेरिका में चल रही समस्याओं में से एक यह है कि लोग सोचते हैं कि हम अपने दिमाग में जिस तरह से सोचते हैं, वह वास्तविकता को निर्धारित करता है। मुझे खेद है, ऐसा नहीं है। वास्तविकता आपके दिमाग से बाहर है। मुझे लगता है कि आपको कभी-कभी गॉर्डन बुलबुले से बाहर निकलकर देखना चाहिए। वास्तविकता वास्तविक दुनिया में होती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या सोचते हैं या आपने क्या सोचा। वास्तविकता होती है। इसलिए

आपको एक सुराग प्राप्त करना होगा और अपने पैरों को वास्तविकता में लाना होगा। बाइबिल-- यीशु ने नरक का वर्णन कई अलग-अलग तरीकों से किया है। इसलिए नरक वास्तव में मौजूद लगता है और स्वर्ग लगता है, वैसे अगर आप नरक को खत्म कर देते हैं तो आप स्वर्ग के बारे में क्या करने जा रहे हैं? क्या आप स्वर्ग से भी छुटकारा पा लेंगे? हम अच्छी चीजें लेते हैं लेकिन हम बुरी चीजें नहीं लेना चाहते हैं।

टी. वैकल्पिक व्याख्याएं और अंतिम विचार [67:15-73:30]

तो हमारे पास और क्या विकल्प हैं? यहाँ हमारे पास कुछ अन्य विकल्प हैं कि लोग इसे कैसे संभालें। जैसा कि मैंने कहा, मुझे यह समझने में बहुत कठिनाई हुई है कि - ईमानदारी से कहूँ तो, मेरे लिए सच यह है कि मुझे इसे समझने और परिस्थितियों की गंभीरता के बारे में सोचने में बहुत कठिनाई होती है। जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ तो मैं बहुत डर जाता हूँ और मुझे कुछ आश्चर्य होता है। कुछ लोग कहते हैं कि यह सार्वभौमिक है। हम यहाँ न्यू इंग्लैंड में हैं, बोस्टन क्षेत्र और इसलिए यहाँ इसकी सार्वभौमिकता है। हर कोई स्वर्ग जाता है। भगवान मूल रूप से सभी का स्वर्ग में स्वागत करते हैं और उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। मैं अपने छात्रों को बताता हूँ कि वे कब स्वर्ग में जा रहे हैं और वे मुझे गेट पर इंतजार करते हुए देखते हैं। पीटर वहाँ मुझे पकड़कर हाथ हिलाते हैं और कहते हैं, "अरे, हिल्डेब्रांट थोड़ी देर बाद यहाँ आओ।" पीटर से कहो कि मुझे अंदर आने दे। कुछ लोग कहते हैं कि यह सार्वभौमिकता है कि हर कोई स्वर्ग में जाता है। कुछ लोग अधिक पुरस्कार और कम पुरस्कार के आधार पर जाते हैं लेकिन हर कोई वहाँ जाता है। वे इसे सार्वभौमिकता कहते हैं।

सार्वभौमिकता के साथ समस्या यह है कि बाइबल इसकी शिक्षा नहीं देती। बाइबल सिखाती है कि भेड़ें होती हैं और बकरियाँ होती हैं। यही कारण है कि मुझे सार्वभौमिकता से समस्या है। जाहिर है कि बकरियाँ होती हैं और भेड़ें होती हैं और न्याय के समय उन्हें अलग कर दिया जाता है और लोग नरक में जाते हैं।

दूसरा दृष्टिकोण विनाशवादी होगा। विनाशवाद का मूल रूप से मतलब है कि लोग नष्ट हो जाते हैं, यानी जो लोग बुरे हैं वे नष्ट हो जाते हैं। वे बस अस्तित्व से बाहर हो जाते हैं। कुछ अर्थों में,

आप इसे देखते हैं और कहते हैं कि यह अधिक दयालु है, यह देखते हुए कि कोई व्यक्ति अनंत काल तक नरक में रहता है, विनाश दयालु है। मुझे नहीं पता कि यह लाजर और अमीर आदमी के दृष्टांत की तरह लगता है; आपको मृत्यु के बाद अमीर आदमी मिला है। अब शायद यह न्याय से पहले है इसलिए वह न्याय से पहले पीड़ा में है और भेड़ और बकरी का न्याय बाद में आता है, लाजर के बाद। विनाशवाद कुछ लोग ऐसा सोचते हैं।

आम तौर पर अपनी कक्षा में मैं बाईं ओर चलता हूँ और यह मेरी ओर से एक अनुमान है और मैं बस इतना ही कह दूँ कि मैं स्वर्ग के बारे में बहुत कम समझता हूँ। मैं नरक के बारे में बहुत कम समझता हूँ। मैं समझता हूँ कि हम जो निर्णय अभी लेते हैं, वे वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। वे परमेश्वर की महिमा को दर्शाते हैं। वे परमेश्वर के राज्य को दर्शाते हैं। वे दर्शाते हैं कि मसीह ने हमारे जीवन में क्या किया है। हमें यीशु के पदचिन्हों पर चलना चाहिए, यह मेरे लिए एक बड़ा रूपक है। नरक के साथ यह क्या बात है? मुझे भी आश्चर्य होता है कि मेरा एक हिस्सा इसके बारे में सोचना पसंद नहीं करता क्योंकि मैं नहीं सोच सकता कि यह कैसा होगा जब एक माता-पिता स्वर्ग में होंगे और उनका बच्चा नरक में होगा या यह कैसा होगा जब एक पति स्वर्ग में होगा और पत्नी नरक में होगी या इसके विपरीत। शायद अधिक संभावना है, मुझे खेद है, पत्नी स्वर्ग में है और पति नरक में है। वह वास्तव में दयालु है। रहस्योद्घाटन की पुस्तक के अंत में यह कहा गया है कि एक समय आएगा जब यीशु सभी आँसू पोंछ देगा। यीशु सभी आँसू पोंछ देगा क्योंकि नया यरूशलेम और नया स्वर्ग नया बन जाएगा। सब कुछ नया हो जाएगा और सारे आँसू पोंछ दिए जाएँगे। मैं सोच रहा हूँ, मैं इस तरह की चीज़ों पर सार्वभौमिक नहीं हूँ, लेकिन मुझे आश्चर्य है कि क्या ऐसा कुछ है, मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि शायद मुझे यही कहना चाहिए। पीछे हटकर कहना कि मुझे नहीं पता। मुझे यह पता है और यह श्लोक पुराने नियम से आया है, मुझे खेद है कि यह ल्यूक से नहीं है। यह कहता है "क्या सारी पृथ्वी का परमेश्वर सही नहीं करेगा?" इसलिए मेरा अनुमान है कि, लंबे समय में, जब हम स्वर्ग और नरक में पहुँचेंगे और चाहे वह किसी भी तरह से कॉन्फ़िगर किया गया हो, तो हम महसूस करेंगे कि परमेश्वर ने जो किया वह सही था। हम इसे अभी नहीं समझ पा रहे हैं और हमें इसका कोई सुराग नहीं है। जैसा कि मैंने कहा कि मैं स्वर्ग और नरक को नहीं समझता हूँ और यह एक व्यक्ति के साथ क्या करता है और वहाँ क्या चल रहा है। कैसे परमेश्वर का उद्धार और दया, हर

कोई उद्धार और दया के बारे में बात करना चाहता है लेकिन बहुत कम लोग परमेश्वर के न्याय और पाप और कैसे उसका विनाश होता है और चीज़ों के बारे में बात करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि यह ऐसी बात है जिसके बारे में आपको सोचना चाहिए।

मुझे लगता है कि स्वर्ग और नरक के बारे में सोचना और 1 यूहन्ना में मसीह की वापसी इसे "धन्य आशा" कहती है। इसे वहाँ आशा के रूप में संदर्भित किया जाता है। हमें यह आशा है कि हम किसी दिन यीशु से मिलने जा रहे हैं; हम खुद को शुद्ध करते हैं जैसे वह शुद्ध है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि, मुझे लगता है कि दूसरी दुनिया के प्रकाश में जीना महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि मैं यही कहने की कोशिश कर रहा हूँ। दूसरी दुनिया के प्रकाश में जीना महत्वपूर्ण है। अच्छाई की एक जगह है। हम ऐसे विकल्प चुन सकते हैं जो हमें उस स्थान तक ले जाएँ। हम मसीह में विश्वास कर सकते हैं। हम अच्छा कर सकते हैं और हमें अभी से ऐसा करने की ज़रूरत है। यह वास्तव में कैसे बाहर निकलेगा, मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि कुछ बिंदुओं पर यह कहना बुद्धिमानी है कि मुझे नहीं पता। मैं स्वर्ग की आशा करता हूँ, मुझे नरक से डर लगता है और मैं सभी के लिए नरक से डरता हूँ, मेरे परिवार के व्यक्तियों के लिए, अपने लिए, सभी के लिए। मैं स्वर्ग की आशा करता हूँ और मैं मसीह और उनके उद्धार और अन्य चीज़ों के लिए प्रार्थना करता हूँ। मुझे लगता है कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि इसके परिणाम हैं। इसके नकारात्मक परिणाम हैं और इसके सकारात्मक परिणाम भी हैं।

हम जो चुनाव करते हैं, वे मायने रखते हैं। इसलिए मेरा काम है कि हम दिन का पूरा लाभ उठाएँ। आज का दिन हमारे पास है, हमें सही चुनाव करने की ज़रूरत है। हमें ऐसे चुनाव करने की ज़रूरत है जो परमेश्वर का सम्मान करते हों और स्वर्ग के राज्य की ओर ले जाएँ।

तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और मुझे लगता है कि हम यहीं समाप्त करेंगे और हमें लूका की पुस्तक में एक और काम करना है और वह है प्रार्थना की धारणा। हम अगली बार इस पर चर्चा करेंगे, धन्यवाद।

ब्रिटनी मार्शल द्वारा लिखित
बेन बोडेन द्वारा संपादित

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित रफ